जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 292 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 15 मई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'बलूचिस्तान ने अपने आप को पाकिस्तान से अलग देश घोषित किया

बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलोच ने एक्स पर यह घोषणा करते हुए विश्व से अपील की कि अब ''शांत'' रहने का समय नहीं है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हालांकि, पाकिस्तान से अलग देश होने के बलूच निवासियों के इस प्रयास को पूर्ण सफलता मिलना कोई आसान काम नहीं है, पर, मीर यार बलोच की विश्व से अपील काफी मार्मिक है।
- स्वतंत्र होने की इस घोषणा के साथ, एक डॉक्यूमैंट्री फिल्म भी रिलीज़ की, जो ''बलूचिस्तान'' के निवासियों के मुंह जुबानी बयानों पर आधारित है।
- डॉक्यूमैंट्री के अनुसार, दशकों से, ''बलूचिस्तान'' विश्व की दृष्टि से ओझल सा रहा है। हालांकि, ''बलूचिस्तान'' में प्राकृतिक संपदा तथा बेशकीमती खनिजों का भंडार है, पर, फिर भी यह क्षेत्र सदा पाकिस्तान के शासकों के रडार पर नहीं आ पाया। अब तक इस अवहेलना के कारण, स्वायत्तता व पहचान के लिये संघर्ष करता रहा है।

नई दिल्ली, 14 मई। बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलोच ने बलुचिस्तान को पाकिस्तान से स्वतंत्र घोषित कर दिया है, उन्होंने इस घोषणा का कारण क्षेत्र में दशकों से जारी भारी हिंसा, जबरदस्ती लोगों को उठा ले जाने और मानवाधिकार हनन को बताया।

उन्होंने कहा, "तुम मारोगे, हम निकलेंगे। हम नस्ल बचाने निकले हैं। आओ, हमारा साथ दो। पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान के बलोच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और अब दुनिया सिर्फ मूक दर्शक नहीं बनी रह सकती।"

भारतीय नागरिकों, खासकर मीडिया, यूट्यूबर्स और बुद्धिजीवियों से उन्होंने अनुरोध किया कि वे बलूचों को "पाकिस्तान के अपने लोग" कहना बंद करें।

उन्होंने कहा, "बलूच नैरेटिव!! प्रिय भारतीय राष्ट्रवादी मीडिया, यू ट्यूब साथी और भारत के बचाव में लगे बुद्धिजीवियों से अनुरोध है कि बलूचों को "पाकिस्तान के अपने लोग" न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं, हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के असली अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी भी हवाई बमबारी, जबरन गायब किए जाने या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा।"

मीर यार बलोच ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का पूरा समर्थन भी किया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर उस क्षेत्र को खाली करने का दबाव बनाने की अपील की।

इसी बीच, एक नई डॉक्यूमेंट्री "बलूचिस्तान: द लॉन्ग रोड टू रैज़िस्टैंस" भी ध्यान आकर्षित कर रही है। यह फिल्म बलूच नागरिकों के वास्तविक अनुभवों को गहराई से दिखाती है, जिनकी आवाजें लंबे समय से दमन के कारण खामोश थीं।

बलूचिस्तान, जो पाकिस्तान का सबसे बड़ा और सबसे उपेक्षित प्रांत है, दशकों से अंतर्राष्ट्रीय ध्यान से वंचित रहा है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद, यह क्षेत्र गरीबी से त्रस्त है और लंबे समय से स्वतंत्रता और पहचान की लड़ाई लड़ रहा है।

जबरन गायब कर देना, हिरासत में यातना, ग़ैर-न्यायिक हत्याएं और मीडिया पर सेंसरशिप- बलूच लोगों ने इन सबका सामना किया है। इनमें से कई घटनाएं तो सामने भी नहीं आई हैं। पीड़ितों, गुमशुदा लोगों के परिवारों और कार्यकर्ताओं की गवाही इस संगठित दमन की डरावनी सच्चाई को उजागर करती है।

यह फिल्म भारत की ओर से "ऑपरेशन सिंदूर" (पहलगाम नरसंहार के जवाब में की गई कार्रवाई) के बाद रिलीज़ हुई है। यह याद दिलाती है कि जब दुनिया की सुर्खियाँ सीमा पार आतंक पर केन्द्रित होती हैं, तब पाकिस्तान की अपनी सीमाओं के भीतर एक मौन युद्ध जारी रहता है।

बलूच नेता की इस घोषणा ने पाकिस्तान के सामने एक नया रणनीतिक संकट खड़ा कर दिया है, जो पहले से ही कई मोर्चों पर जूझ रहा है। आज की यह घोषणा भारत को एक राजनयिक हथियार देती है, जिससे पाकिस्तान को बैकफुट पर लाया जा सकता है।

हालांकि बलूच लोगों के लिए पाकिस्तान से स्वतंत्रता प्राप्त करना आसान नहीं होगा, फिर भी यह घटनाक्रम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग को बंधक बनाकर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्तों को आजीवन कारावास

जयपुर, 14 मई। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर द्वितीय ने नाबालिग को होटल में बंधक बनाकर कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मोनू उर्फ मोईन खान और श्रवण सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी राजवीर सिंह ने दोनों अभियुक्तों पर कुल 1.04 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अरुण कुमार जाटावत और पीड़ित पक्ष की ओर से अधिवक्ता कुणाल शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता ने 15 अगस्त,

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 15 अगस्त 2023 को दर्ज मामले में फैसला सुनाया।

2023 को जालूपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी अपने पिता से किसी बात पर अनबन हो गई थी। यह बात उसकी बहन को पता चलने पर वह उसे जयपुर ले आई और होटल में दो दिन साथ रहे। इस दौरान, उसकी बहन ने मोनू से, अपना धर्म का भाई बताकर, मिलाया। इसके बाद उसकी बहन उसे वहां यह कहकर छोड़ गई कि मोनू उसका ध्यान रखेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि बहन के जाते ही मोनू ने उसके साथ दुष्कर्म किया और बंधक बना लिया। अभियुक्त मोनू रोज रात को आता और उसके साथ दुष्कर्म करता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बुधवार को कांग्रेस ने सीडब्ल्युसी की बैठक आयोजित की

बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर प्र.मंत्री मोदी से पूछा कि वे इतने चुप और शांत क्यों हैं?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सर्वदलीय बैठक बुलाकर विपक्ष से ''शेयर'' क्यों नहीं करते, पहलगाम की घटना का विवरण और उसके बाद का घटनाक्रम।
- जैसा कि विदित ही है, 25 मई को प्र.मंत्री मोदी ने एनडीए के मु.मंत्रियों की एक बैठक बुलाई है। अतः सीडब्ल्युसी की बैठक के प्रस्ताव के जरिए विपक्ष यह सवाल उठा रहा है कि एनडीए के मु.मंत्रियों की बैठक के लिये तो प्र.मंत्री के पास समय है, पर, सर्वदलीय बैठक के लिये क्यों नहीं?
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सीडब्ल्युसी की बैठक के बाद टिप्पणी की कि नड्डा जीवनपर्यंत भाजपा अध्यक्ष नहीं रह सकते, अतः उनके स्थान पर नया अध्यक्ष बनने के बाद, प्र.मंत्री मोदी का क्या होगा?

नई दिल्ली, 14 मई। क्या भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी की स्थिति अयुक्तियुक्त (अनटैनेबल) हो रही है?

यह प्रश्न संघ परिवार के अंदर विभिन्न स्तरों पर पूछा जा रहा है, लेकिन इससे भी ज्यादा रोचक तथ्य यह है कि यह सवाल दिल्ली में स्थित विदेश राजनयिकों के बीच भी सुनाई दे रहा है, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद के परिप्रेक्ष्य में आमतौर से मोदी जी के भविष्य के बारे में चिंतन करते रहते हैं।

आरएसएस यह प्रश्न कर रही है कि आखिर मोदी अपने अपमान पर चुप क्यों हैं, जबकि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मोदी के खिलाफ बयान दिये हैं तथा डंके की चोट पर यह सिद्ध करने की कोशिश की है कि नरेन्द्र मोदी अमेरिका के दबाव के आगे झुक गये और युद्धविराम के लिये सहमत हो गये, जबकि सैन्य स्थिति भारत के लिये बहुत अच्छी थी तथा देश युद्ध में विजय के नज़दीक था।

कांग्रेस ने आज शाम कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडबल्यूसी) की एक और मीटिंग बुलाई तथा उसमें एक प्रस्ताव पारित कर मोदी से पूछा है कि वे खामोश क्यों हैं तथा कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं। कांग्रेस ने पूछा है कि पहलगाम के आतंकियों का क्या हुआ, वे कहाँ हैं? कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये तथा सबको जानकारी देनी चाहिये। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछली दो मीटिंगों में उपस्थित नहीं हुये हैं। कांग्रेस यह भी कह रही है कि सरकार, भारत और पाकिस्तान को बराबर के स्तर पर रखे जाने पर आपत्ति नहीं जता रही है। कांग्रेस ने यह जानना चाहा है कि क्या यह स्थिति (दोनों देशों को बराबर के स्तर पर रखा जाना) मोदी जी को स्वीकार्य है?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर के मार्बल व्यापारियों ने तुर्की से व्यापारिक संबंध समाप्त किये

व्यापारियों में गहरा आक्रोश है कि तुर्की आतंकवाद का समर्थन करने वाले पाकिस्तान का साथ दे रहा है

- मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि तुर्की से हर साल बड़ी तादाद में ग्रेनाइट व मार्बल का आयात किया जाता है। उन्होंने कहा, उनके लिये व्यापारिक हित से पहले देश हित है।

उदयपुर, 14 मई (कासं)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने पर उदयपुर के मार्बल व्यापारियों ने राष्ट्र हित में तुर्किये के साथ सभी व्यापारिक संबंध समाप्त करने की घोषणा की है।

उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज गंगावत ने बताया कि हालांकि तुर्किये के साथ उनके पुराने और अच्छे व्यापारिक संबंध रहे हैं और बड़ी मात्रा में ग्रेनाइट मार्बल का आयात किया जाता रहा है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह व्यापार जारी नहीं रखा जा सकता। व्यापारियों का स्पष्ट कहना है कि 'दुश्मन का दोस्त भी दुश्मन होता है' और उनके लिए व्यापारिक हितों से पहले देश का हित महत्वपूर्ण है। व्यापारी समुदाय में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि तुर्किये भारत के खिलाफ आतंकवाद को समर्थन देने वाले पाकिस्तान का साथ दे रहा है। गंगावत ने बताया कि तुर्किये से हमारे व्यापारिक रिश्ते अच्छे रहे हैं, जिस कारण काफी मार्बल व्यापारी तुर्किये से ग्रेनाइट मार्बल का आयात करते हैं। तुर्की इसको नजरअंदाज करते हुए हमारे दुश्मन देश पाकिस्तान को सहयोग कर रहा है। इससे हमारे मार्बल व्यापारियों में बहुत ही आक्रोश है।

गंगावत बताते है कि तुर्किये से हर साल बड़ी तादाद में ग्रेनाइट मार्बल आयात किया जाता है, जो कि वर्तमान स्थिति में राष्ट्रीयता के खिलाफ है। गंगावत ने तो सरकार से कहा कि तुर्किये के साथ मार्बल व्यापार को पूरे देश में प्रतिबंधित करें। व्यापारिक प्रतिबंध के साथ ही पर्यटन को भी बंद किया जाए। उन्होंने बताया कि मेवाड़ में उदयपुर मार्बल व्यवसाय का बडा हब हैं और यहां तुर्किये से हजारों टन मार्बल आयात किया जाता है, ऐसे में उदयपुर मार्बल प्रोसेसर समिति के सदस्यों ने बड़ा निर्णय लेते हुए तुर्किये से मार्बल आयात करने का बहिष्कार शुरू किया है।

उदयपुर मार्बल प्रोसेसर समिति के अध्यक्ष कपिल सुराणा कहते है कि हमने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर तुर्किये से सभी व्यापारिक रिश्ते तोड़ने की मांग की हैं। वे बताते है कि फिलहाल पूरे देश में जितना मार्बल आयात किया जाता है, उसका 70 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ तुर्किये से आयात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिना विभागीय जाँच के कर्मचारी को बर्खास्त नहीं कर सकते

जयपुर, 14 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि बिना विभागीय जांच के, केवल एफआईआर के आधार पर कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता कांस्टेबल को बिना जांच ही सेवा से बर्खास्त करने

- हाई कोर्ट ने केवल एफआईआर के आधार पर सेवा से बर्खास्त करने को अवैध करार दिया तथा सभी सेवा परिलाभ के साथ बहाल करने का आदेश दिया।

वाले पुलिस विभाग के आदेश को मनमाना व अवैध करार देते हुए उसे सभी सेवा परिलाभ सहित सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है। अदालत ने अपीलेट अथॉरिटी के आदेश को भी रद्द करते हुए कहा कि वह अपील में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने में फेल रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन-बाँग्लादेश धुरी उभर रही है नॉर्थ-ईस्ट में

चीन ने अरुणाचल के कई स्थानों को नया नाम देना शुरु किया तथा इस क्षेत्र को ''दक्षिण तिब्बत'' बताया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दूसरी ओर बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस ने भी बाँग्लादेश, नेपाल, भूटान तथा नॉर्थ ईस्ट के सात राज्यों के लिये ''इकोनॉमिक प्लान'' का प्रस्ताव रखा है।
- पिछले दिनों, युनूस ने चीन यात्रा के दौरान टिप्पणी की थी कि नॉर्थ ईस्ट, ''लैण्ड लॉक्ड'' है तथा समुद्र तक पहुँचने का इस राज्य के पास कोई रास्ता नहीं है। अतः इस क्षेत्र के लोगों को आपस में मिलकर, माल बनाना चाहिये जो चीन को बेचा जायेगा।

नई दिल्ली, 14 मई। युद्धविराम - विवाद, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच शांतिदूत बनने के अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावे ने नया विवाद खड़ा कर दिया है, के बीच, चीन और बाँग्लादेश भारत के पूर्व के सीमावर्ती राज्यों में परेशानी खड़ी करते प्रतीत हो रहे हैं।

बताया जाता है कि चीन ने अरुणाचल के बहुत से स्थानों के नये नाम रख दिये हैं। भारत ने चीन की इस गतिविधि को "निरर्थक एवं हास्यास्पद" करार दिया है, जिससे सम्बंधित क्षेत्र के भारत का अभिन्न हिस्सा होने की स्थिति (स्टेटस) बदलने वाली नहीं है।

चीन ने दावा किया कि अरुणाचल "दक्षिणी तिब्बत" है। उसने हाल ही में भारतीय राज्य अरुणाचल के विभिन्न स्थानों के नामों की एक सूची जारी की है। इसकी प्रतिक्रिया में, भारत के विदेश मंत्रालय ने आज एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि "इन स्थानों को नये नाम देने से यह अकाट्य वास्तविकता, जो संदेह से परे है, नहीं बदलेगी कि अरुणाचल भारत का अभिन्न एवं अहस्तान्तरणीय हिस्सा था, है और सदैव रहेगा।

दूसरी ओर, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अन्तरिम बाँग्लादेश सरकार ने एक बार फिर बेसुरा राग अलापते हुये, एक व्यापक आर्थिक एकीकरण योजना प्रस्तावित की है, जिसमें बाँग्लादेश, नेपाल, भूटान तथा भारत के सात उत्तर -पूर्वी राज्य सम्मिलित किये गये हैं। गौरतलब बात यह है कि यूनुस ने इसमें भारत का जिक्र न करते हुये, केवल पूर्वोत्तर राज्यों का ही उल्लेख किया है। कुछ दिन पहले, अपनी चीन यात्रा के दौरान, यूनुस ने बाँग्लादेश को उत्पादन, लॉजिस्टिक्स तथा व्यापार के क्षेत्र में चीन के प्रमुख क्षेत्रीय पार्टनर के रुप में प्रस्तुत कर दिया था, तथा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को "लैन्डलॉक्ड" (जमीन से घिरे हुये) करार दिया था। बाँग्लादेश में चीन को अत्यधिक निवेश के लिये आमंत्रित करते हुये, यूनुस ने अपने देश को "महासागर का एकमात्र अभिभावक" बताया था। इस पृष्ठभूमि में देखने पर, यूनुस का ताजा प्रस्ताव भारत के लिहाज से टकराव का संकेतक लगता है।

नोबल पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद यूनुस ने ये टिप्पणियाँ नेपाल के "हाउस ऑफ रिप्रजेन्टेटिव्स" के डिप्टी स्पीकर के साथ हुई अपनी मीटिंग में कीं, जो इस समय बाँग्लादेश की यात्रा पर आये हुये हैं। यूनुस ने हाइड्रोपावर, हैल्थकेयर तथा ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सीमा-पार के सहयोग (क्रॉस बॉर्डर कॉलेबरेशन) को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस सैक्टर से सम्बंधित सामान संयुक्त रुप से बाँग्लादेश में निर्मित किया जाये तथा चीन को बेच दिया जाये।

अर्थशास्त्री तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य, संजीव सान्याल ने यूनुस द्वारा चीन से की गई इस आर्थिक अपील में भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान रेंजर्स ने बीएसएफ जवान को छोड़ा

नयी दिल्ली, 14 मई। पाकिस्तान रेंजर्स ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम कुमार शॉ को छोड़ दिया है।

शॉ 20 दिन से पाकिस्तान रेंजर्स के कब्जे में थे। बीएसएफ ने बुधवार को प्रेस विज्ञिप्त जारी कर कहा, आज सुबह 10.30 बजे कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को अटारी-वाघा सीमा पर बीएसएफ

- सीमा सुरक्षा बल का जवान पूर्णम कुमार शॉ गत 23 अप्रैल को गलती से पाकिस्तान सीमा में चला गया था।

द्वारा पाकिस्तान से वापस लाया गया। विज्ञिप्त के अनुसार, शॉ 23 अप्रैल 2025 को लगभग 11.50 बजे फिरोजपुर सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी पर रहते हुए अनजाने में पाकिस्तान की सीमा में चले गए थे और उन्हें पाक रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। विज्ञिप्त में कहा गया है कि पाकिस्तान रेंजर्स के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अनिता आनन्द के कैनडा का विदेश मंत्री बनने से बहुत आशाएं जगी हैं

खासतौर पर भारत और कैनडा के तनावग्रस्त रिश्तों में सुधार की संभावनाएं देखी जा रही हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अनिता आनन्द ने गीता पर हाथ रखकर अपने पद की शपथ ली और अपने भारतीय मूल पुरजोर तरीके से प्रस्तुत किया
- पर, कैनडा-भारत रिश्ते, जो पिछली ट्रूडो सरकार के ''खालिस्तानी समर्थक'' रूख के कारण काफी कटू हो गये थे और विशेषकर, हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के बाद कटुता काफी बढ़ी थी, क्या, अब रिश्ते सामान्य होंगे।
- यह भी सच है कि चौदह लाख भारतीय मूल के कैनडा वासियों में काफी मतभेद हैं, खालिस्तानियों की गतिविधियों के कारण। यह मतभेद अचानक खत्म नहीं हो जायेंगे, अनिता आनन्द के आने से, पर, रिश्तों में तनाव काफी कम हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा, नई सरकार में अनिता आनन्द को कितना लचीलापन मिलता है, दोनों की सोच व विचारों में कुछ सामंजस्य बिठाने के लिये।

नई दिल्ली, 14 मई। कैनडा की नई विदेश मंत्री के रूप में अनिता आनंद की नियुक्ति देश की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देती है - विशेष रूप से भारत के साथ बेहद तनावपूर्ण संबंधों की पृष्ठभूमि में। आनंद, जो कि दूसरी पीढ़ी की भारतीय मूल की कैनडा नागरिक हैं, ने भगवद् गीता पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। यह प्रतीकात्मक इशारा एक शक्तिशाली संदेश देता है: कैनडा की यह शीर्ष राजनयिक कैनडा और भारत, दोनों पहचानों से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

यह दोहरी विरासत उऐसे समय में एक राजनयिक सेतु के रूप में कार्य कर सकती है, जब दोनों देशों को इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

सन् 2023 में कैनडा-भारत संबंध उस समय सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब ट्रूडो सरकार ने भारतीय एजेंसियों पर, कैनडा के सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में कथित संलिप्तता के गंभीर आरोप लगाए। इसके परिणाम तुरंत सामने आए: राजनयिक निष्कासन, व्यापार वार्ताओं का ठप्प होना और वीज़ा सेवाओं पर रोक। कई महीनों तक संवाद बंद रहा और गतिरोध बना रहा।

अनिता आनंद का विदेश मंत्री बनना ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों को राजनयिक संबंधों में सुधार से लाभ मिल सकता है। आनंद की भारतीय विरासत केवल प्रतीकात्मक नहीं है, यह पहचान उन्हें भारत की वैश्विक स्थिति के पीछे की सांस्कृतिक और राजनीतिक संवेदनाओं की स्वाभाविक समझ देती है। साथ ही, इस पहचान के कारण, प्रवासी समुदाय में उग्रवाद जैसे मुद्दों पर शांति से बातचीत करने के लिए उन्हें एक अनूठी मिली है। यह मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ा अवरोध रहा है।

कैनडा की पूर्व लिबरल सरकार के कुछ नेताओं के विपरीत, जिन्हें भारत में खालिस्तानी विचारधारा के प्रति सहानुभूति रखने वाला माना जाता था, आनंद ने अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। सन् 2021 से 2023 तक रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने रणनीतिक स्पष्टता और कार्यकुशलता के लिए अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कैनडा की नाटो प्रतिबद्धताओं का सफल प्रबंधन किया और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में गहरी भागीदारी निभाई, ये सभी बातें उन्हें भारतीय नीति निर्माताओं की नजरों में विश्वसनीय बनाती हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आनंद कैनडा में 14 लाख की, भारतीय प्रवासी आबादी के राजनीतिक महत्व को भी समझती हैं। उनका दृष्टिकोण संतुलन पर आधारित रहने की संभावना है: एक ओर कैनडा के कानूनों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करना और दूसरी ओर यह सुनिश्चित करना कि इनका उपयोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एकल पट्टा प्रकरण में पूर्व आईएएस संधू की ओर से बहस

जयपुर, 14 मई। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को एकल पट्टा प्रकरण को लेकर सुनवाई हुई। पूर्व आईएएस जीएस संधू की ओर से मामले में अपना पक्ष रखा गया। वहीं, अदालत ने मामले में गुरुवार को सुनवाई जारी रखना तय किया है। चीफ जस्टिस एमएम

- संधु की ओर से दलील दी गई कि एकल पट्टा निरस्त होने के बाद एसीबी में शिकायत की गई, जबकि कोई अपराध नहीं बनता है।

श्रीवास्तव की एकलपीठ ने ये आदेश पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी की ओर से दायर सात आपराधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, संधू की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा ने पक्ष रखा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

जाति जनगणना से इतना क्या डरना

भारत के लिए जाति कोई नई बात नहीं।भारतीय समाज जाति विहीन समाज कभी नहीं रहा। पहले इसे वर्ण व्यवस्था के रूप में जाना गया और कालांतर में यह जन्म से जुड़ गई। जो कुम्हार, खाती, नाई के घर पैदा हुआ सो ता जिंदगी कुम्हार, खाती, नाई चाहे उसे कुम्हारी, खाती, नाईगिरी का काम उसकी रुचि का हो या न हो, आए या न आए। जो ब्राह्मण के घर पैदा हुआ सो ब्राह्मण चाहे उसे शास्त्रों का कक्का भी न आए। सैद्धांतिक तौर पर यह पढाया जाता रहा है कि कर्म से वर्ण परिवर्तन सम्भव था किंतु हमारे देश में, शायद वास्तविकता में यह कभी सम्भव नहीं था।

ब्रिटिश सरकार नें विभिन्न कारणों से और मुख्यत: भारतीय समाज के गहरे बिखराव-असमानता-जाती के आधार पर भेदभाव-छुआछूत आदि को उभार कर समाज को ओर विभाजित करने के लिए जाती जनगणना को हथियार बनाया। बहुत से शासक, समाज को विभिन्न मुद्दों पर बंट कर राज करते रहे है और अब भी कर रहे हैं।

ब्रिटिशर्स द्वारा प्रथम बार 1881 में जनगणना करवाई। मुख्य मुख्य जातियों के आंकडे भी इकट्ठे करने का प्रयास किया। 1931 की जनगणना में जाति के आंकडे शामिल थे। कुल जनसंख्या लगभग 27 करोड़ थी। इस जनसंख्या में से, काका कालेलकर आयोग द्वारा चिन्हित जातियों की जनसंख्या, अनुमानत:, 52% बनती थी। तत्समय भी, कुछ संगठनों और राजनीतिक दलों ने, दबे स्वरों में जातीय जनगणना का विरोध किया, क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे जातिगत विभाजन बढ़ेगा और सामाजिक तनाव पैदा होगा।

जातीय जनगणना के मुद्दे पर विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों के विचार और रुख समय-समय पर बदलते रहे हैं। कुछ लोगों ने जातीय जनगणना का समर्थन किया, कुछ ने विरोध किया। यह मुद्दा अभी भी बहस का विषय है।

जातीय जनगणना के संबंध में कुछ प्रमुख व्यक्तियों, संगठनों के विचार इस प्रकार रहे है:–

महात्मा गांधी जाति प्रथा के उन्मूलन और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के पक्षधर थे। उन्होंने जाति प्रथा को एक सामाजिक बुराई माना और इसके खिलाफ काम किया। वे जातीय जनगणना के पक्ष में थे या नहीं यह स्पष्ट नही। जवाहरलाल नेहरू ने भी जाति प्रथा के उन्मूलन और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए काम किया। उन्होंने जाति प्रथा को एक सामाजिक बाधा माना। इसके खिलाफ काम किया।

नेहरू जी ने 1951 की जनगणना में एण,एऊ के अतिरिक्त अन्य जातियों के आंकड़े इकट्ठा नहीं करने के निर्णय का समर्थन किया। शायद सरकार को आशा रही होगी कि जातिगत विभाजन धीरे-धीरे स्वत: कम होगा, अधिक समतापूर्ण समाज बन जाएगा किन्तु यह आशा फलीभूत नही हुई।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने जाति प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ी और दलित समुदाय के अधिकारों के लिए काम किया। उन्होंने जाति प्रथा को एक बडी सामाजिक बुराई माना। डॉक्टर अम्बेडकर ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष प्रावधानों की मांग की। उन्होंने जातीय जनगणना को दलित समुदाय की स्थिति को समझने और उनके लिए नीतियां बनाने के लिए महत्वपूर्ण साधन माना। इन तीनों नेताओं के विचारों में समानता थी कि वे जाति प्रथा को एक बड़ी सामाजिक बुराई मानते थे और उसके उन्मूलन और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के पक्षधर थे।

हिंदुत्व व हिन्दू वादी कुछ लोग व संगठन जातीय जनगणना का लगातार विरोध करते रहे है। उनके अनुसार जातीय जनगणना से जातिगत विभाजन बढ़ेगा, सामाजिक ताना बाना टूटेगा, तनाव पैदा होगा। सामाजिक समरसता एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को कम करने के लिए जातीय जनगणना को अनावश्यक मानते थे और अब भी मानते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का रुख काफी समय ढुलमिल व अस्पष्ट रहा किन्तु कुछ समय से कांग्रेस पार्टी ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर अपने रुख को स्पष्ट किया है। अब, वह इसके पक्ष में है। समाजिक न्याय की वकालत करने वाली, समाजवादी, साम्यवादी विचारधाराओं से जुड़ी पार्टियां जातीय जनगणना का समर्थन करती रही हैं और अब भी करती है। बिहार, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में जातीय आंकड़े (सर्वे) इक्कठे करने का राज्य स्तर पर प्रयास किया गया। सँविधान के अनुसार जनगणना हो या जातीय जनगणना करने का अधिकार केंद्र सरकार का।

आजाद भारत में, पिछडी जातियों की दयनीय शैक्षणिक व सामाजिक को ध्यान में रखते हुए, उनके हितार्थ सुझाव देने के लिए, 29 जनवरी 1953 को काका कालेलकर आयोग का गठन किया। इसकी रिपोर्ट 1955 में आई थी। इस आयोग को प्रथम पिछडा वर्ग आयोग भी कहा जाता है। प्रसिद्ध गांधीवादी काका कालेलकर इसके अध्यक्ष थे। इस आयोग नें पिछड़ी जातियों की पहचान कर उनकी सूची बनाई। इसमें कुछ जातियों को अति पिछड़ा भी माना। इस के सदस्यों में जाति को पिछड़ेपन से जोड़ने या नौकरियों में इनके लिए स्थान सुनिश्चित करने के मुद्दों पर एक राय नहीं थी। प्रश्न था की क्या केवल जाति से ही पिछड़ापन तय किया जाए? जाति को बैकवार्डनेस का मानदंड मानने के पक्ष में भी कुछ सदस्य थे।

आयोग की रिपोर्ट पर केंद्र सरकार का मोटा-मोटा रुख यह रहा कि पिछड़ी जातियों को चिन्हित करने का कोई वस्तुनिष्ठ मानदंड तय नही किया गया। इसलिए इस आयोग की रिपोर्ट कि अधिकांश सिफारिशें सरकारी फाइलों में दफन रही। आयोग ने पिछड़ी जातियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक उन्नति के लिए कुछ सिफारिशें भी दीं।

समय-समय पर, विभिन्न सरकारों यथा बिहार की कर्पूरी ठाकुर व यूपी की राम नरेश यादव सरकार ने नौकरियों में आरक्षण देने की पहल भी की। कालेलकर आयोग के प्रतिवेदन को ध्यान में रख कर ही जनता पार्टी सरकार नें मंडल आयोग का गठन किया। देर से ही सही, मंडल आयोग की सिफारिशों के क्रियावयन की भी धीमी कार्यवाही शुरू हुई। संविधान के अनुच्छेद 16(4) के अनुसार राज्य को किसी भी पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए नियुक्तियों या पदों में आरक्षण का प्रावधान करने का अधिकार है, जिनका राज्य की राय में राज्य के अधीन सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। ओबीसी के लिए नौकरियों में आरक्षण के प्रावधान को सार रूप में 1990 तक लागू नही किया गया।

हिंदुत्व व हिन्दू वादी कुछ लोग व संगठन जातीय जनगणना का लगातार विरोध करते रहे है। उनके अनुसार जातीय जनगणना से जातिगत विभाजन बढ़ेगा, सामाजिक ताना बाना टूटेगा, तनाव पैदा होगा। सामाजिक समरसता एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को कम करने के लिए जातीय जनगणना को अनावश्यक मानते थे और अब भी मानते हैं।

वर्ष 2011 में केंद्र की ळईं सरकार नें सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से कमजोर जातियों (SEC) का सर्वे जरूर करवाया किन्तु आंकडे सार्वजनिक कर पाती उस से पहले ही UPA सरकार 2014 में सत्ता से बाहर हो गई। 2014 के बाद से लगातार सत्ता में रहने वाली वर्तमानं सरकार नें, विभिन्न राजनीतिक व मिथ्या सैद्धान्तिक बहानों के आधार पर इन्हें सार्वजनिक नहीं किया।

1980-90 तक आरक्षण की स्थिति? आजादी के समय ध्ँ की आबादी मुख्य रूप से गांवों में रहती थी। भारत की स्वतंत्रता के समय गांवों में शिक्षा व्यवस्था कैसी थी यह सर्वविदित है। 1980-85 से पहले सरकारी नौकरियों में OBC का प्रतिनिधित्व नगण्य था। जो था वह भी अधिकांशत: चपरासी, लिपिक, अध्यापक, समकक्ष अन्य श्रेणियों तक ही सीमित था। बड़े पदों पर तो केवल गिने-चुने आर्थिक रूप से सक्षम घरों के इक्के-दुक्के लोग ही आ पाते थे। 1990 तक के आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्वत: सिद्ध है। इसका दूसरा पहलू यह है कि 1985-90 से पूर्व शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े ओबीसी के युवक बड़े पदों के लिए उपयुक्त योग्यता ही नही पा सके थे। लगभग 65-70% ऊंचे पदों वाली नौकरियों पर सवर्ण वर्ग के लोगों का ही बोलबाला था।

1990 में मंडल सिफारिशों को लागू करने की मांग जोरों से उठने लगी। नौकरियों में आरक्षण के कारण सवर्ण वर्गों के लोगों को नौकरियों में अपना वर्चस्व समाप्त होते दिखा तो कुछ राजनीतिक दलों, संगठनों नें उनके इस डर को हवा दी और ध्ँ आरक्षण के विरुद्ध एक आंदोलन खडा कर दिया जो कालांतर में हिंसक भी हुआ।

अब देर से ही सही, भारतीय जनता पार्टी की सरकार नें आगामी जनगणना में जातीय जनगणना करने का निर्णय लिया है। कुछ अनुदारवादी स्वघोषित हिन्दू संगठनों नें भी लगभग 180 डिग्री की पलटी मारकर, जातीय जनगणना के फासले के प्रति सहमति सी प्रगट की है यधपि साथ में यह भी कहा कि इसके आंकडों को सार्वजनिक नही किया जाए। ऐसे निर्णयों में उपयोग नही हो जिनसे समाज की समरसता खत्म हो। उनका उपयोग केवल नीतिगत निर्णयों में ही हो।

इस प्रकार के 180 डिग्री वाले उलटफेर से पहले भारतीय जनता पार्टी के राजनाथ सिंह, स्व.गोपीनाथ मुंडे जैसे कुछ बड़े नेताओं को छोड़ कर अधिकतर नेता जातीय जनगणना का पानी पी-पी कर विरोध करते थे। अब ऐसे अधिकतर नेता समर्थन करने की होड़ में लगए है। खैर पुरानी बात है न, बंदरों को तो, मालिक लोग जैसा नाच सिखाएंगे, वैसे नाच लेंगे।

लेकिन केंद्र सरकार के इस फैसले को लेकर कुछ नए प्रश्न भी उभरे है। उनके उत्तर क्या होंगे, उनसे ही पता चलेगा कि इस फैसले के पीछे असली मकसद क्या है? क्या यह केवल और केवल वोटर्स को अपनी ओर लुभाने के लिए ही है ? क्या जातीय जनगणना के आंकडों के आधार पर, पिछडे वर्गों के लोगों की समाजक, शैक्षणिक व मालिहालत सुधारने के लिए कुछ ठोस निर्णय, योजनाएं बनेंगी और लागू होंगी?

जनगणना अप्रेल 2026 से प्रारम्भ होगी। उस से पहले होंगे बिहार विधान सभा के चुनाव। एक परिदृश्य की कल्पना करो कि बिहार में भाजपा को सरकार बनाने लाइक बहुमत नहीं मिलता। भाजपा के वोट बैंक में उसके पारम्परिक वोट बैंक के अतिरिक्त OBC व OBC में बहुत पिछड़े वर्ग के वोट बड़ी संख्या में नही जुड़ते है तो भी, क्या जातियों की गणना कराएगी, केंद्र सरकार?

एक अन्य बड़ा प्रश्न है, जातियों की गणना करने से सम्बंधित प्रपत्र कैसा होगा, क्या-क्या सूचनाएं एकत्रित की जाएंगी? अभी तो किसी कोने से आवाज निकल रही है, सुझाव आ रहा है कि कोई अलग प्रपत्र की आवश्यकता नही। वर्तमानं प्रपत्र पर्याप्त है, उसी में एक कालम जाती का भी हो जाएगा या SC/ST वाले कलम में /OBC ओर जोड़ दिया जाए। लेकिन ऐसा किया जाएगा तो फिर इस गणना का संख्या जानने के अतिरिक्त कोई उपयोगिता नही रहेगी।

जाती जनगणना के साथ साथ सम्बंधित व्यक्तियों की शैक्षणिक, वितीय स्थितियों यथा घर, वाहन, नौकरी, व्यापार या स्वरोजगार या नियमित नोकरी या दिहाड़ी वर्कर, औसत मासिक रोजगार के दिन, वेतन या आमदनी, बैंक से लेनदेन, साहूकार या बैंक से कर्ज, स्वयम की संचित पूंजी, कृषि या अन्य इसी प्रकार की भूमि की जानकारिया एकत्रित करने से ही इस बड़ी एक्सरसाइज का कोई उपयोग हो सकेगा। इस प्रकार की जानकारियों के अध्ययन, विश्लेषण के उपरांत ही सम्बंधित वर्गों के लिए उनके लिए हितकारी निर्णय लिए जा सकेंगे।

लोगों के मन में प्रश्न तो यह भी है कि क्या जातियों के अंदर उपजातियों की भी गणना की जाएगी और अगर ऐसा किया जाएगा तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इसका उद्देश्य क्या होगा?? समाजों को जातियों के बजाय उपजातियों में ओर विभाजित कर उनकी राजनीतिक हैसियत, उपयोगिता को कम से कमतर करने के लिए?? यह भी ध्यान रखना होगा कि उपजातियां तथाकथित सवर्ण जातियों में भी हैं।

एक ओर बड़ा प्रश्न है---क्या धार्मिक समूहों यथा मुसलमान, ईसाई, सिख आदि में भी जाती-उपजाती पूछी जाएगी? इस्लाम, ईसाई आदि में तो सैद्धांतिक आधार पर तो जाती प्रथा मानी नही जाती, तो फिर इसका उपयोग क्या होगा? क्या इससे इन धर्मों में पिछड़ों, अति पिछड़ों की पहचान कर उनके लिए सरकारी नौकरियों, शिक्षण संस्थानों में दाखिले आदि में इन आंकड़ों का उपयोग होगा? क्या यह संविधान सम्मत होगा या फिर इनके लिए संविधान में संसोधन होगा, जिसका वर्तमानं सरकार वाला दल पुरजोर विरोध करता है??

एक ओर बड़ा प्रश्न है कि क्या जाती जनगणना के पश्चात, इसके आंकडों के आधार पर, OBC वर्ग के लिये सरकारी नौकरियों की उपलब्धता में कोई परिवर्तन किया जाएगा? क्या उच्चतम न्यायालय द्वारा बनाई गई आरक्षण की 50% की सीमा को बदल कर पिछड़ों की जनसँख्यानुसार नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों दाखिलों की वर्तमान व्यवस्था में परिवर्तन का साहस सरकार करेगी?? वैसे 50% आरक्षण सीमा सार रूप से, EWS के लिए 10% आरक्षण के बाद समाप्त सी ही तो है। हाँ, EWS आरक्षण के बाद सवर्ण वर्ग के लिए स्वत: 60% का आरक्षण हो गया क्योंकि वर्ग में शामिल नही है।

क्या जातियों की जनगणना से सम्बंधित प्रपत्र सार्वजनिक होगा? क्या इस पर सभी राजनीतिक पार्टियों से चर्चा होगी??

और अंत में क्या सरकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार में जाती/वर्ग आधारित आरक्षण लागू करेगी, जैसी कुछ राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों की मांग है???

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

सरकार के लिए राजस्व प्राथमिकता है या लोगों का स्वास्थ्य?

अशोक कुमार

हेल्थ ईज़ वेल्थ का हिन्दी में मतलब 'स्वास्थ्य ही धन है' होता है जिसे 'नेक तंदुरुस्ती लाख नियामत' भी कहा जाता है जिसका मतलब है – अच्छा स्वास्थ्य हमेशा धन से ऊपर होता है। वाक्यांश हेल्थ ईज़ वेल्थ का गहरा अर्थ है और यह हमारे जीवन में अच्छे स्वास्थ्य के महत्व को दर्शाता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, और यह कि अच्छा स्वास्थ्य जीवन में सफलता और खुशी का आधार है। सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भारत में खाने में प्रयोग होने वाली कई ऐसी चीजें हैं जिन पर प्रतिबंध लगाया गया है या उपयोग को सीमित किया गया है। इनमें से कुछ प्रमुख वस्तुएँ इस प्रकार हैं: कुछ सिंथेटिक रंग। उच्च सोडियम वाले जंक फूड, कुछ कीटनाशक जैसे एल्ड्रिन, डीडीटी, एंडोसल्फान आदि, कुछ कृत्रिम स्वीटनर, तंबाकू और निकोटीन: किसी भी खाद्य पदार्थ में इनका उपयोग प्रतिबंधित, कुछ कृत्रिम स्वीटनर, सैसाफ्रास ऑयल, ब्रॉमिनेटेड वेजिटेबल ऑयल, दवाओं पर प्रतिबंध, फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाएं, कुछ दर्द निवारक दवाएं, कुछ एंटी-एलर्जिक दवाएं जैसे ब्रोमेलैन, प्रोटीएज, कुछ सिंगल यूज्ड माइक्रो प्लास्टिक्स, प्लास्टिक्स आदि प्रतिबंधित हैं।

सिगरेट और तंबाकू से होने वाली कुल मौतों में यकृत कैंसर का विशिष्ट प्रतिशत बताना संभव नहीं है, यह स्पष्ट है कि तंबाकू का उपयोग यकृत कैंसर के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है और भारत में होने वाली लाखों तंबाकू-संबंधी मौतों में योगदान देता है। तंबाकू नियंत्रण के प्रयास और जागरूकता बढ़ाना इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध आंकड़ों और हालिया घटनाओं को देखते हुए, यह कहना सुरक्षित है कि पिछले 5 वर्षों में भारत में कच्ची या जहरीली शराब के सेवन से हजारों लोगों की मौत हुई है। सरकारी आंकड़े केवल 2020 तक के हैं, और उसके बाद भी कई बड़ी घटनाएं हुई हैं जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये आंकड़े संभवत: कम करके आंके गए हैं, क्योंकि कई मौतें रिपोर्ट नहीं की जाती हैं। कच्ची शराब का अवैध उत्पादन और बिक्री एक गंभीर समस्या बनी हुई है, खासकर गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों में। शराबबंदी के आर्थिक प्रभाव जटिल हो सकते हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था की संरचना, कार्यान्वयन की प्रभावशीलता और अन्य कारकों पर निर्भर करते हैं। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि शराबबंदी से राजस्व में कमी आ सकती है और अवैध शराब के व्यापार में वृद्धि हो सकती है, जबकि अन्य अध्ययनों में सकारात्मक सामाजिक और स्वास्थ्य परिणाम देखे गए हैं। हानिकारक उत्पादों से राजस्व कमाने के बजाय लोगों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि क्या सरकारें राजस्व के हितों को स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से ज़्यादा प्राथमिकता दे रही हैं? यह सच है कि जिन वस्तुओं से सरकार को या तो बिल्कुल राजस्व नहीं मिलता या बहुत कम मिलता है, उन्हें बंद करने में अक्सर हिचकिचाहट नहीं दिखाई जाती। इसके विपरीत, शराब और सिगरेट जैसे उत्पाद, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, लेकिन सरकार को महत्वपूर्ण राजस्व प्रदान करते हैं, आसानी से बंद नहीं किए जाते। इस स्थिति को देखकर यह तर्क देना स्वाभाविक है कि सरकार के लिए राजस्व प्राथमिकता है, न कि लोगों का स्वास्थ्य।

वित्तीय और नैतिक विचारों के बीच एक जटिल खींचतान है। सरकार का तर्क अक्सर यह होता है कि उस राजस्व का उपयोग अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा (हानिकारक उत्पादों से होने वाली बीमारियों के इलाज सहित), बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए किया जाता है। उनका यह भी कहना हो सकता है कि पूर्ण प्रतिबंध से अवैध व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होगा और गुणवत्ता नियंत्रण भी नहीं रहेगा।

हालांकि, एक स्वस्थ आबादी किसी भी देश की सबसे बड़ी संपत्ति होती है। हानिकारक उत्पादों से होने वाली बीमारियों का बोझ न केवल व्यक्तियों और उनके परिवारों पर पड़ता है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर भी भारी दबाव डालता है और देश की समग्र उत्पादकता को कम करता है।

सरकार हानिकारक उत्पादों से राजस्व अर्जित करके अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए धन जुटा रही है, जबकि इन उत्पादों का सेवन स्वयं ही स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है।

कई लोग यह मानते हैं कि सरकार को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। एक स्वस्थ आबादी अंतत: अधिक खुशहाल और अधिक उत्पादक होगी, जो अर्थव्यवस्था के लिए भी फायदेमंद होगा। राजस्व के अन्य स्थायी और स्वास्थ्यकर स्त्रोत खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

यह कहना सही होगा कि राजस्व एक महत्वपूर्ण कारक है जो सरकार के फैसलों को प्रभावित करता है। इन उत्पादों पर लगाए गए टैक्स सरकार के लिए आय का एक बड़ा स्त्रोत होते हैं, जिसका इस्तेमाल विभिन्न विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं में किया जाता है। अगर सरकार अचानक से इनका उत्पादन बंद कर दे, तो उसे एक बड़े राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ेगा, जिससे अन्य जरूरी सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

हालांकि, यह कहना कि सरकार को सिर्फ राजस्व का ध्यान रहता है और स्वास्थ्य की परवाह नहीं है, पूरी तरह से सही नहीं होगा। सरकारों ने इन उत्पादों के सेवन से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं:–

उच्च कर: इन उत्पादों पर भारी टैक्स लगाया जाता है ताकि इनकी कीमत बढ़े और लोग इनका कम सेवन करें।

स्वास्थ्य चेतावनी: इनके पैकेटों पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी छापी जाती है ताकि उपभोक्ताओं को खतरों के बारे में पता चले।

विज्ञापन पर प्रतिबंध: इनके विज्ञापन पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं ताकि इनका प्रचार न हो।

जागरूकता अभियान: सरकार समय-समय पर इनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान चलाती है।

इन कदमों से यह पता चलता है कि सरकार स्वास्थ्य के प्रति भी चिंतित है, लेकिन वह एक साथ कई पहलुओं को ध्यान में रखकर नीतियां बनाती है। अचानक से उत्पादन बंद करने के कुछ नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं, जैसे कि:–

अवैध व्यापार: अगर उत्पादन बंद हो जाए तो इन उत्पादों का काला बाजार पनप सकता है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होगा और गुणवत्ता नियंत्रण भी नहीं रहेगा।

1. रोजगार का नुकसान: इन उद्योगों में काम करने वाले लाखों लोगों की रोजी-रोटी छिन सकती है !

यू.एस. ने निषेध के दौरान शराब पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की (1920-1933)। इसके कारण: अवैध उत्पादन और तस्करी, संगठित अपराध में वृद्धि, कर राजस्व में कमी, सार्वजनिक स्वास्थ्य में इतना सुधार नहीं हुआ कि प्रतिबंध के कारण व्यापक समस्याएं उत्पन्न हो सकें। इसलिए, सरकार एक ऐसा रास्ता अपनाने की कोशिश करती है जिसमें राजस्व भी बना रहे और लोगों के स्वास्थ्य पर भी कम से कम नकारात्मक प्रभाव पड़े। यह एक नाजुक संतुलन है जिस पर लगातार बहस और विचार-विमर्श होता रहता है।

यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर समाज में लगातार बहस होनी चाहिए और सरकारों पर यह दबाव बनाना चाहिए कि वे नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें, भले ही इसके लिए कुछ राजस्व का नुकसान उठाना पड़े। इस स्थिति से ऐसा प्रतीत होता है कि राजस्व प्राथमिक है, और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

वास्तविकता यह है कि राजस्व और स्वास्थ्य दोनों ही सरकारों के लिए आवश्यक हैं और इन्हें एक दूसरे के विपरीत नहीं देखा जाना चाहिए। एक आदर्श स्थिति वह है जहां सरकारें एक ऐसा संतुलन बनाती हैं जो आर्थिक विकास को बढ़ावा दे और अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करे।

भारत के संदर्भ में:–

भारत में, स्वास्थ्य सेवा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जिसमें सरकारें लगातार निवेश कर रही हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य सभी नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। साथ ही, सरकार राजस्व बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठा रही है ताकि इन और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं के लिए धन उपलब्ध हो सके।

यह कहना मुश्किल है कि भारतीय सरकारों के लिए वर्तमान में राजस्व स्वास्थ्य से अधिक महत्वपूर्ण है या इसके विपरीत। सरकार की नीतियां और बजट आवंटन दोनों क्षेत्रों को महत्व देते हुए दिखाई देते हैं। हालांकि, समय-समय पर प्राथमिकताओं में बदलाव हो सकता है जो आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं।

अंतत:, एक जिम्मेदार सरकार का लक्ष्य यह होना चाहिए कि वह राजस्व और स्वास्थ्य के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाए रखे ताकि देश का सतत विकास हो सके और सभी नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित हो सके।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

बॉर्डर इलाकों में बीएसएफ लोगों को दे रही है ड्रोन की ट्रेनिंग

ग्रामीणों को ड्रोन के बारे में जानकारी देने के साथ ही एक ड्रोन को उड़ाकर भी बताया

बीकानेर, (निसं)। पाकिस्तान की ओर से बार-बार ड्रोन अटैक होने के बाद बॉर्डर के गांवों में लोगों को ड्रोन के बारे में जानकारी दी जा रही है। बताया जा रहा है कि किस तरह की आवाज आती है और इस ड्रोन से किस तरह की हरकत हो सकती है। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी बीएसएफ के जवानों और अधिकारियों ने बीकानेर बॉर्डर से सटे गांवों में ड्रोन एक्टिविटी के प्रति जागरूक किया।

बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट (इंटेलिजेंस) महेश चंद्र जाट ने बताया कि पहलगांव आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिससे घबराकर पाकिस्तान बॉर्डर के गांवों में लगातार ड्रोन एक्टिविटी बढ़ा रहा हैं। बीकानेर ने गांवों ड्रोन के बारे में ग्रामीणों को सामान्य ट्रेनिंग दी गई कि किस तरह इसका पता चल सकता है। अगर कोई ड्रोन उनके क्षेत्र में घूम रहा है तो ग्रामीणों को क्या एक्शन लेना है।

डिप्टी कमांडेंट (इंटेलिजेंस) ने बताया कि आने वाले समय में हमारे पड़ोसी देश से ड्रोन की गतिविधियां और भी अधिक बढ़ सकती है। इससे निपटने के लिए हर समय तैयार रहना पड़ेगा। आम आदमी को पता होना चाहिए कि ड्रोन कैसे काम करता है और इससे दुश्मन देश को क्या फायदा मिल सकता है। युद्ध जैसे हालात के दौरान यदि आपको कहीं कोई संदिग्ध वस्तु ड्रोन जैसी दिखाई देती है तो तुरंत ही इसकी सूचना बीएसएफ इंटेलिजेंस को देनी है। ड्रोन के माध्यम से सिर्फ हमले नहीं होते बल्कि देश की सूचना भी एकत्र की जाती है। काफी ऊंचाई पर उड़ने वाले ये ड्रोन कई बार वीडियो और फोटोग्राफी करते हैं। इसलिए ड्रोन का पता चलते ही बीएसएफ को बताना होगा। ड्रोन के माध्यम से बीकानेर, श्रीगंगानगर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी भी होती है। दोनों देशों के तस्कर एक दूसरे से बात करके ड्रोन के माध्यम से अफीम, स्मैक और अन्य मादक पदार्थ ड्रोन से ही फेंकते हैं।

ग्रामीणों को ड्रोन के बारे में जानकारी देने के साथ ही एक ड्रोन को उड़ाकर भी बताया गया। ड्रोन किस तरह से आवाज करता है और ऊंचाई पर उड़ रहे ड्रोन का पता कैसे चल सकता है। ग्रामीणों के साथ सरपंच विजय सिंगड़ भी उपस्थित रहे।

बंद किए गए नाल एयरपोर्ट के सभी रूट फिर से खुले

बीकानेर, (निसं)। भारत द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद बंद किए गए नाल एयरपोर्ट के सभी रूट अब खोल दिए गए हैं। चार्टर्ड और मेडिकल इमरजेंसी फ्लाइट्स को अनुमति मिल गई है। दिल्ली रूट पर 15 मई से उड़ान बहाल होने की संभावना है, जबकि जयपुर रूट के लिए यात्रियों को शुक्रवार तक इंतजार करना पड़ सकता है। देश की सुरक्षा स्थितियों को देखते हुए कुछ दिन पहले बंद किए गए बीकानेर के नाल एयरपोर्ट के सभी रूट बंद कर दिए थे।

एयरपोर्ट प्रशासन ने सामरिक दृष्टि से उठाए गए एहतियाती कदमों के बाद अब परिस्थितियों को सामान्य मानते हुए अब सभी रूट खोलने का निर्णय लिया है। एयरपोर्ट निदेशक राजेन्द्र सिंह बघेला ने बताया कि नाल एयरपोर्ट से अब चार्टर्ड प्लेन और मेडिकल इमरजेंसी के लिए एयर एंबुलेंस की आवाजाही फिर से शुरू हो गई है। हालांकि, नियमित फ्लाइट संचालन की तिथि अभी पूरी तरह सुनिश्चित नहीं है।

■ दिल्ली की फ्लाइट आज से संभव, जयपुर रूट के लिए इंतजार करना पड़ सकता है

बीकानेर से दो फ्लाइटस संचालित होती हैं। पहली इंडिगो की बीकानेर से दिल्ली डेली फ्लाइट, जो 15 मई से उड़ान भर सकती है। दूसरी, एयरलाइंस एयर की फ्लाइट है, जो बीकानेर से जयपुर होते हुए दिल्ली जाती है और सप्ताह में सोमवार व शुक्रवार को संचालित होती है। यह फ्लाइट शुक्रवार से शुरू हो सकती है।

हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उड़ानों की पुनर्बहाली यात्री भार और अन्य तकनीकी पहलुओं पर निर्भर करेगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे उड़ान से पहले संबंधित एयरलाइंस से जानकारी प्राप्त कर लें। सामरिक दृष्टिकोण से नाल एयरपोर्ट एक संवेदनशील जोन में आता है। इसलिए किसी भी आपात स्थिति में तत्परता बनाए रखने और नागरिक उड्डयन को संतुलित रूप से संचालित करने के लिए यह निर्णय आवश्यक था। अब रूट खुलने से न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि आपातकालीन सेवाएं भी बहाल हो सकेंगी।

राशिफल गुरूवार 15 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 2:08 तक, शिव योग प्रात: 7:02 तक, वणिज करण दिन 3:17 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:08 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज चतुर्थी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:41 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:23 तक, चर 10:43 से 12:23 तक, लाभ अमृत 12:23 से 3:43 तक, शुभ 5:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:03

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह

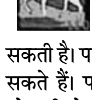

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिजनों से सहयोग मिलेगा।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन का भय समाप्त होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में 16 को निकलेगी तिरंगा यात्रा

बीकानेर,(कासं)। भारतीय जनता पार्टी संभाग कार्यालय में आज एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य वक्ता पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और प्रदेश मंत्री विजेन्द्र पूनिया मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में आर्तंकियों की कमर तोड़ने की कार्यवाही के समर्थन और सेना के मनोबल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक के बैनर तले भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी।

अरूण चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया कि यह तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं बल्कि भारतीय सेना के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त करने के लिए आयोजित की जा रही है। यह यात्रा संभाग, जिला और विधानसभा क्षेत्र स्तर पर निकाली जायेगी, जिसमें आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। बैठक की अध्यक्षता शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़ और देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने की।

प्रदेश मंत्री व संभाग समन्वयक विजेन्द्र पूनिया ने कहा कि यह यात्रा पूरी तरह से गैर-राजनीतिक होगी और इसमें सभी राजनीतिक दलों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग जैसे पूर्व सैनिक, उनके परिजन, छात्र, साधु-संत, जनप्रतिनिधि, व्यापारी, बुद्धिजीवी, शैक्षणिक संस्थाएं आदि शामिल होंगे। कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा ने सेना की कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में

बीकानेर में तिरंगा यात्रा निकालने को लेकर भाजपा संभाग कार्यालय में आयोजित बैठक को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने संबोधित किया।

भारत की सेना ने न सिर्फ आतंकियों को करारा जवाब दिया बल्कि पाकिस्तान को भी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम सैनिकों का सम्मान करेंगे और उनका मनोबल बढ़ायेंगे।

शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़ ने जानकारी दी कि यह तिरंगा यात्रा बीकानेर में 16 मई को शाम 4 बजे रतन बिहारी पार्क से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए शहीद स्मारक पब्लिक पार्क में समाप्त होगी। इस बैठक में विधायक सिद्धि कुमारी, अंशुमान सिंह भाटी, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, यात्रा संभाग समन्वयक विजय आचार्य, महेश व्यास, प्रभारी ओम सारस्वत, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेदर, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सत्यप्रकाश आचार्य, मुमताज अली भाटी, महामंत्री नरेश नायक, श्यामसुंदर चौधरी, महेश मुंड, मोहन ढाल, उपाध्यक्ष हनुमान सिंह चावड़ा, आनंद सिंह भाटी, भगवान सिंह मेड़तिया, दीपक पारीक, गोकुल जोशी, विजय उपाध्याय, सवाई सिंह तंवर, शिव स्वामी, राधा देवी सियाग, आशकरण भट्टड़, नवरतन घिंटाला, कुंभाराम सिद्द, मंत्री मनीष सोनी, संगीलाल गहलोत, भारती अरोड़ा, मनमोहन सिंह, भगीरथ चांवरिया, देवीलाल मेघवाल, प्रवक्ता अशोक प्रजापत, संयोजक वेदव्यास, शिव प्रजापत, सह संयोजक राजाराम सीगड़, जसराज सिंवर, प्रधान कानाराम गोदारा, उप प्रधान कन्हैयालाल सारस्वत, कपिल शर्मा, धर्मपाल डूडी, मुकेश सैनी, विशाल गोलछा, दिनेश चौहान, प्रकाश मेघवाल, प्रेम गहलोत, चंद्रमोहन जोशी, सोहन चांवरिया, सरोज भोभारिया, भंवरलाल जांगिड़, विनोद गिरी, नृसिंह सेवग, जेठमल नाहटा, राजश्री कछावा, मीना आसोपा, नारायण चौपड़ा, सुशील आचार्य, सरिता नाहटा, रमजान अब्बासी, अजय खत्री, राधा खत्री, अनुराधा आचार्य,

- **तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त करने के लिए निकाली जायेगी**

अरूण सोलंकी, विमल पारीक उपस्थित थे।

सेना के लिए 163 यूनिट रक्तदान : भारत-पाक तनाव के बीच जारी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित भारतीय सेना के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन 14 मई को आशीर्वाद भवन में किया गया। पूर्व यूआईटी चेयरमैन महावीर रांका व श्री गुरू रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय महामंत्री रविशेखर मेघवाल द्वारा आयोजित इस शिविर में 163 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ है। रक्तदान शिविर का शुभारंभ पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, भाजपा नेता रविशेखर मेघवाल एवं महावीर रांका द्वारा किया गया। शिविर में रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि आपका रक्तदान किसी के लिए जीवनदान बन सकता है।

हाल ही में बॉर्डर पर चल रही विकट परिस्थितियों को देखते हुए रविशेखर मेघवाल एवं महावीर रांका द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन करवा कर देश के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धा का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

स्टेशन पर मिले बालक को पुलिस ने यूपी छोड़ा

श्रीगंगानगर, (कासं)। करीब एक साल पहले भटक कर यहां आये एक बालक की मंगलवार को घर वापसी हुई है। यह बालक उत्तरप्रदेश के सहारनपुर का रहने वाला है।

बालक को पुलिस लाइन से एएसआई सतीश चौहान और उनकी टीम लेकर यूपी रवाना हुई है। यह बालक 27 जून 2024 को रात के समय रेलवे स्टेशन परिसर में लावारिस मिला था। रेलवे पुलिस की सूचना पर चाइल्ड हेल्प लाइन टीम मौके पर पहुंची और बालक को अपने संरक्षण में लिया। बालक को बाल कल्याण समिति के आदेश पर मोहनपुरा रोड आश्रम में ठहराया गया।

बालक जब स्टेशन पर मिला तब उसकी आयु करीब 8 वर्ष थी। वह अपने घर परिवार और शहर के बारे में बता नहीं पा रहा था। चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक त्रिलोक वर्मा ने बताया कि बालक के निवास स्थान का पता लगाने के लिए उसकी डिटेल देशभर की चाइल्ड हेल्पलाइन टीमों को ई-मेल की गई। इसके साथ ही बालक की भाषा से उसके मध्य भारत के राज्यों यूपी, बिहार या मध्यप्रदेश का होने का प्रारंभिक अनुमान लगाया गया। इस आधार पर उसे इन राज्यों के प्रमुख स्थलों के फोटो कम्प्यूटर पर दिखाना शुरू किया।

बालक ने अब जाकर यूपी के सहारनपुर शहर की एक मस्जिद को पहचान लिया। इस पर मस्जिद की डिटेल से बालक के शहर की पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से संपर्क किया गया। उसके परिजनों का पता लगाने को स्टेक होल्डर से भी मदद ली गई।

सार-समाचार

539 श्रमिकों को चश्में वितरित

विधायक सिद्धि कुमारी व राजस्व अपील अधिकारी उम्मेद सिंह रतनू ने चश्में वितरित किए।

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर व्यापार उद्योग मण्डल एवं शताक्षी सेवा सस्थान द्वारा श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में जांच के उपरान्त पात्र 539 श्रमिकों एवं उनके परिजनों को बुधवार को चश्मे वितरण किए गए। कार्यक्रम में बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी व राजस्व अपील अधिकारी उम्मेद सिंह रतनू की मौजूदगी में 539 लोगों को चश्मे वितरित किए गए। इसके लिए सुबह 9 बजे से ही श्रमिकों और मण्डी कर्मचारियों की लम्बी कतारें लगना शुरू हो गई। इस अवसर पर बीकानेर व्यापार उद्योग मण्डल के संचिव संजय जैन सांड ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि 1 मई को आयोजित शिविर में 1 हजार 67 श्रमिकों एवं उनके परिवार के लागो की नेत्र जांच की गई। जांच के उपरान्त अब तक लगभग 539 चश्में बने हैं। वहीं 41 मरीजों के ऑपरेशन जयपुर स्थित एक अस्पताल में करवाए जायेंगे। विजय बाफना ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन किशन लोहिया ने किया। चश्मा वित्तरण कार्यक्रम में नरेश गोयल सुशील यादव विनोद धानुका, मोहम्मद इमरान, परविन्द्र सिंह, रविन्द्र शर्मा, शिवसिंह शेखावत, मनोज सोलंकी, विनोद भोजक, जयदयाल डूडी, तोलाराम चाण्डक, जेठाराम पुरोहित, गजेन्द्र सिंह लूंछ, शान्तिलाल कोचर, जयनारायण डागा, पूनमचंद सुराणा, गोविन्द ग्रोवर, सुभाष बंसल, प्रकाश सोनावत, बालचंद गोयल, हेमन्त पारीक, दीपक स्वामी, कानदास स्वामी, राजू कस्वां, राजू मेहरा, मुकेश कंडारा, तुसार चांगरा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रक्तदान शिविर 16 को

बीकानेर, (कासं)। जमीअत उलमा-ए-हिन्द शाखा बीकानेर द्वारा 16 मई को सुबह 08:00 बजे से 10:00 बजे तक पीबीएम अस्पताल,में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस शिविर का उद्देश्य पीबीएम अस्पताल में रक्त की भारी कमी को दूर करना है ताकि मरीजों को सही समय पर इलाज मिल सके। जमीअत उलमा-ए-हिन्द शाखा बीकानेर के महासिचव मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी का कहना है कि रक्तदान से न केवल किसी की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह एक नेक कार्य भी है, जो समाज में एकता और सहकार्य की भावना को बढ़ावा देता है।

कैंसर हॉस्पिटल के विद्युत पैनल में आग लगने से मची अफरा-तफरी

बीकानेर,(कासं)। आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर रिसर्च सेंटर के विद्युत पैनल में शाम अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

मरीजों को आस-पास के अन्य परिसरों में शिफ्ट करने के लिए ट्रॉलियां और व्हीलचेयर कम पड़ गई। कैंसर हॉस्पिटल के विद्युत पैनल में शाम को करीब 6.30 बजे अचानक चिंगारियों उठने लगी और प्लास्टिक के तारों ने आग पकड़ ली। उसका धुआं ओपीडी ब्लॉक में फैल गया। मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्डों ने धुआं देखा तो स्टाफ को सूचना देकर सबसे पहले लाइट कटवाई।

धुआं इतना घना था कि सांस लेना मुश्किल होने लगा। विद्युत पैनल के ऊपर वाली मंजिल पर ही ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू है, जहां दो मरीज वेंटिलेटर पर थे। उनमें से एक मरीज को पोस्ट कोविड आईसीयू और दूसरे को

- **मरीजों को शिफ्ट करने के लिए ट्रॉलियां, व्हीलचेयर कम पड़े**

बीएमडी में शिफ्ट कर दिया गया। इसके अलावा हॉस्पिटल में चार मरीज मेडिकल ऑन्कोलॉजी के आईसीयू में और 52 रेडियोथैरेपी के वार्डों में भर्ती थे। उन सभी को शिफ्ट करने का काम रात 11 बजे तक जारी था।

दरअसल मरीजों को शिफ्ट करने के लिए ट्रॉलियां और व्हील चेयर पर्याप्त मात्रा में नहीं थे। करीब आठ-दस ट्रॉलियां और व्हीलचेयर थे, जिन पर मरीजों को शिफ्ट किया जा रहा है। रोगियों को उन्हीं के परिजन लेकर जा रहे थे। कैंसर विभाग के सभी रेजिडेंट डॉक्टर और ड्यूटी पर मौजूद नर्सिंग स्टाफ मोबाइल टार्च की रोशनी में मरीजों को शिफ्ट करने में जुटा रहा। 26 साल पुरानी बिल्डिंग में बिजली का लोड बढ़ा आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर रिसर्च सेंटर की बिल्डिंग करीब 26 साल पुरानी है। इसका संचालन ट्रस्ट के जरिए होता है। बिजली की व्यवस्था पीबीएम का ईएमडी विभाग देखता है। बताया जाता है कि बिजली के पैनल में तार पुराने हो चुके थे।

हॉस्पिटल में एसी के कारण लोड बढ़ चुका था। सभी डॉक्टरों के कमरों में एसी लगे हुए हैं, जो चालू हालत में रहते हैं। कई बार तो रात में भी ऑन रह जाते हैं। विद्युत पैनल की मेंटिनेंस तक लम्बे समय से नहीं हो पाई थी। सुरक्षा गार्डों ने बताया कि शाम को 6.50 बजे चिंगारी निकलने से बिजली के तारों ने आग पकड़ ली। पैनल में प्लास्टिक कोटिंग वाली मोटी वायरिंग होने के कारण आग से घना धुआं फैल गया।

हत्या के प्रयास में 7 साल की सजा

नोखा, (कासं)। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकेश कुमार प्रथम ने एक पुराने हत्या के प्रयास के मामले में फैसला सुनाया। मामला 29 मार्च 2016 का है। मोडाराम मेघवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गांव कुचोर आथुनी के भंवरलाल, करणाराम, रूपाराम, पूर्णाराम और विजयपाल ने उनकी मां पर हमला किया।

जब मोडाराम अपने पिता रामेश्वर लाल और ताऊ नेमाराम के साथ अपनी मां को बचाने गए तो आरोपियों ने उन पर भी बरछी और लाठियों से हमला कर दिया। आरोपियों ने रामेश्वर लाल के सिर पर लाठियों से वार किया। न्यायालय ने सभी पांच आरोपियों को धारा 307 में दोषी पाया। प्रत्येक को 7 साल का साधारण कारावास और 5 हजार रूपए का अर्थदंड दिया गया। साथ ही धारा 325 में 5 साल का कारावास और 5 हजार का अर्थदंड भी दिया। मामले में राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक राजाराम भादू ने पैरवी की।

दो नाबालिग के अपहरण के मामले दर्ज

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में अलग-अलग थानों में नाबालिग के अपहरण के दो मामले दर्ज हुए हैं। कोतवाली थाना में नाबालिग की माता ने दर्ज करवाए मामले में बताया गया कि उसकी बेटी 8 मई को सुबह घूमने की बात कहकर घर से निकली थी। काफी समय तक नहीं लौटने पर तलाश की गई।

जांच अधिकारी एएसआई सोमदास ने बताया कि नाबालिग की आयु करीब 13 साल बताई गई है। परिजनों ने दो युवकों पर अपहरण का संदेह जताया है। उधर मटीलीराठान थाना में भी किशोरी के अपहरण का मामला दर्ज हुआ है। अपहृत किशोरी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। परिजनों ने बताया कि 11 मई की रात को कोई अज्ञात व्यक्ति किशोरी का अपहरण कर ले गया। सुबह जानकारी मिलने पर परिजनों ने तलाश की और इसके बाद थाना में पहुंचकर केस दर्ज

- **कोतवाली व मटीलीराठान थाना में अपहरण के मुकदमे दर्ज**

करवाया। मामले की जांच हैड कांस्टेबल सतपाल कर रहे हैं। जांच अधिकारी के मुताबिक किशोरी की आयु करीब 17 वर्ष बताई गई है। उन्होंने बताया कि परिजनों की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर तलाश शुरू की गई है।

वहीं पुरानी आबादी पुलिस ने रात के समय घर में घुसकर मारपीट और रूपए छीनने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी राहुल निवासी पुरानी आबादी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। सीओ (एससी/एसटी सैल) विष्णु खत्री ने बताया कि काफी समय से आरोपी की तलाश की जा रही थी।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्र. :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 14.5.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना श्रीनाथ एन्कलेव में चक 4 एमएल मुरब्बा नं. 46 किला नं. 12 में भूखण्ड संख्या एस-10 माप 45 इन्दु 70 फीट श्रीगंगानगर का पटटा संख्या 24510 दिनांक 20.02.2024 को श्रीमती ज्योति पत्नी श्री रवि घिन्टाला निवासी 926 पुरानी आबादी, वार्ड नं. 13, चावला चौक, श्रीगंगानगर के नाम से जारी किया हुआ है। श्रीमती ज्योति द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र मय खातेदार द्वारा जारी शपथ पत्र प्रस्तुत कर भूखण्ड संख्या एस-10 का पटटा निरस्त कर एस-35 का पटटा जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर उक्त पटटा संख्या 24510 दिनांक 20.02.2024 निरस्त कर भूखण्ड संख्या एसपी-35 कप पटटा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
Rajkaj Ref. No. 15063094 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2025 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 14-05-2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 4 ए छोटी मुरब्बा नं. 08 के किला नं. 3 में भूखण्ड माप 30" गुणा 60'-0" फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री परमजीत सिंह निवासी, 0-07 कुंज विहार विस्तार श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाता है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री परमजीत सिंह निवासी, 0-07 कुंज विहार विस्तार श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 4 ए छोटी मुरब्बा नं. 08 के किला नं. 3 में भूखण्ड माप 30" गुणा 60'-0" फीट का नियमन/पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
RajKaj Ref No.: 15194436 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्र. :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 14.5.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 33 के किला नं. 14 में भूखण्ड माप 30'' गुणा 60'-0'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्रीमती प्रतीभा भरती पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार भारती निवासी, 75 एन बलौक गोशाला के पास श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाता है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती प्रतीभा भरती पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार भारती निवासी, 75 एन बलौक गोशाला के पास श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 33 के किला नं. 14 में भूखण्ड माप 30'' गुणा 60'-0'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

स्कूल के पास नशा बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

बीकानेर,(कासं)। नार्को कॉर्डिनेशन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम सिटी रमेश देव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में देव ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजकीय एवं निजी विद्यालयों से 100 मीटर की दूरी पर नशे से संबंधित किसी भी तरह का कोई सामान विक्रय नहीं होना चाहिए। अगर किसी दुकान पर ऐसा हो रहा है तो शिक्षा विभाग के अधिकारी इसकी रिपोर्ट पुलिस को दें और पुलिस संबंधित दुकान पर कार्रवाई करें।

साथ ही कहा कि शिक्षा विभाग नशे के दुष्प्रभावों के बारे में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में विभिन्न

- **स्कूल से 100 मीटर की दूरी पर नशे से संबंधित कोई भी सामान नहीं बेच सकते**

प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाना सुनिश्चित करें। डीसीआईओ आईबी वी.एस. झाला ने अवगत करवाया कि विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन अवकाश में नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में निबंध लिखने का गृह कार्य दिया जाए जिससे सभी बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी हो सके। साथ ही बीकानेर के लोकल न्यूज़ चैनल्स, अखबारों और एफएम रेडियो इत्यादि पर भी नशे के दुष्प्रभावों का प्रचार किया जाए।

बाड़े में लगी आग से भैंस व पांच बकरियों की मौत

नोखा, (कासं)। नोखा उपखंड के मैयासर गांव में मंगलवार को गेनाराम मेघवाल की ढाणी में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पशुओं को बचाने का मौका नहीं मिला।

आग में एक भैंस, उसका बच्चा और पांच बकरियां जल गई। एक छप्पर भी पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। हालांकि इस घटना में कोई मानवीय क्षति नहीं हुई। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार करीब 2 लाख रूपए का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही नोखा से दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। एएसआई ओमप्रकाश यादव, पटवारी भगवंत लोहार और जुगल थापन घटनास्थल पर पहुंचे। पटवारी ने घटना की मौका रिपोर्ट तैयार कर ली है।

बच्ची से दुष्कर्म व हत्या, पहले मिलेगी 2.50 की सहायता

बीकानेर, (कासं)। जिला विधिक प्राधिकरण की ओर से कोलायत के एक गांव में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में परिजनों को पीड़ित प्रतिकर स्कीम में 2.50 लाख रूपए देने का निर्णय लिया गया है।

कोलायत के एक गांव में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म किया और प्लास्टिक की थैली से उसका मुंह दबाकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद बच्ची के शव को फांसी पर लटका दिया था। पुलिस ने आरोपी छात्र को निरूद्ध कर संप्रेषण गृह भेज दिया था। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। इस दौरान मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला

- **सात साल की बच्ची से दुष्कर्म कर की हत्या**

विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विशेष बैठक बुलाई गई और बच्ची के माता-पिता को पीड़ित प्रतिकर स्कीम में 2.50 लाख रूपए की सहयोग राशि देने निर्णय लिया गया।

बैठक में अध्यक्ष अतुल सक्सेना और सचिव मांडवी राजवी मौजूद थे। आमतौर पर पुलिस की ओर से पोक्सो कोर्ट में चालान पेश होने और पीड़ित पक्ष की अर्जी देने पर राशि स्वीकृत की जाती है। लेकिन प्राधिकरण ने इस मामले में पहली बार पुलिस की जांच से पहले ही अखबार में प्रकाशित खबर के आधार पर प्रतिकर राशि देने का निर्णय लिया है। मामले की जांच कर रहे सीओ कोलायत संग्राम सिंह ने बताया कि जल्दी ही कोर्ट में चालान पेश कर दिया जायेगा। गौरतलब है कि सात की बच्ची उसकी 10 साल की बड़ी बहन पड़ौस में रहने वाले शिक्षक के बच्चों के साथ उनके घर खेलने गई थीं। इस दौरान 7 साल की बच्ची बाड़े में टॉयलेट करने गई तो पड़ौस में रहने वाले छात्र ने उसे पकड़ दुष्कर्म किया और उसकी हत्या कर दी थी।

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / निर्माण / 2025-26 / 8046 दिनांक 13.05.2025
ई- निविदा-सूचना सं0 23/2025-26
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 40.00 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB04541
आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद / सी / 25 / 2300

मंत्री सुमित गोदारा ने की भाजपा कार्यालय में 250 प्रकरणों की जनसुनवाई

बीकानेर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बुधवार को भाजपा के संभाग कार्यालय में जनसुनवाई की। चार घंटे चली जनसुनवाई के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी लगभग ढाई सौ परिवेदनाएं प्राप्त हुई।

मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार आमजन की समस्याओं के समयबद्ध और त्वरित निस्तारण के प्रति संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार पार्टी स्तर पर जनसुनवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार और भाजपा जनसेवा को समर्पित हैं। भाजपा का कार्यकर्ता सही मायनों में आमजन के सुख-दुःख का भागीदारी बनता है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रत्येक प्रकरण को संबंधित विभाग के

बीकानेर में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने भाजपा कार्यालय में आमजन की समस्याओं पर जनसुनवाई की।

अधिकारियों के माध्यम से निस्तारित करवाया जायेगा। निस्तारण का फीडबैक भी लिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर भी मंत्री, अधिकारी नियमित रूप से आमजन के बीच जाते हैं। भाजपा कार्यालयों में भी जनसुनवाई की यह व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। आमजन को अधिक से अधिक राहत मिले, यही

- **चार घंटे चली जनसुनवाई में आये ढाई सौ प्रकरण**

इसका मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान मंत्री गोदारा ने केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया और कहा कि उनके द्वारा नियमित रूप से आमजन की समस्याओं की सुनवाई के साथ निस्तारण के प्रयास किए जा रहे हैं। जनसुनवाई के दौरान पानी, बिजली, सड़क निर्माण सहित आमजन से जुड़े विषयों के प्रकरण सर्वाधिक प्राप्त हुए। जिनके संबंध में कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मंत्री गोदारा ने कहा कि आधारभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज.आवा.मण्डल अधिनियम 1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
(A State Government Enterprise Constituted Under RHB Act 1970)
वृत-बीकानेर, Circle-Bikaner
क्रमांक:-उआआ/आरएचबी/बीका/2025-26/168 दिनांक :- 13/5/2025
आम सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल में श्री अणदाराम पुत्र मिश्री लाल एवम् धूडाराम पुत्र भोलाराम जाति रेगर ने शिवबाडी आवासीय योजना बीकानेर में आवासीय भूखण्डों का आवंटन हेतु पंजीकरण करवाया था। श्री अणादाराम पुत्र मिश्रीलाल एवम् धूड़ाराम पुत्र भोलाराम जाति रेगर ने उक्त आवासीय योजना में आवंटित भूखण्डों हेतु श्री आशीष चौधरी पुत्र नाथूराम चौधरी आधार नंबर 911457131495 को अपना पंजीकृत मुख्त्यारआम नियुक्त किया हैं मुख्त्यारनामा के आधार पर निम्नानुसार भुखण्ड पंजीकृत विक्रय विलेख विक्रय किए गए है।

मूल आवंटी का नाम	आवंटन पत्र क्रमांक दिनांक	भूखण्ड संख्या/क्षेत्र फल	वाद संख्या	मुख्त्यारनामा आम/पंजीकृत दिनांक	मुख्त्यारनाम से क्रेता का नाम/पंजीकृत दिनांक
श्री अणदाराम पुत्र मिश्री लाल एवम् धूड़राम पुत्र भोलाराम	420/29.07.2022	1-सी-28/ 210व.मी.	7(210)9/81	श्री आशीष चौधरी पुत्र नाथूराम चौधरी/ 02.05.2024	श्रीमति वीणा व्यास पत्नि श्री विजय शंकर/14.05.2024
श्री अणदाराम पुत्र मिश्री लाल एवम् धूड़राम पुत्र भोलाराम	420/29.07.2022	1-सी-29/ 210व.मी.	7(210)9/81	श्री आशीष चौधरी पुत्र नाथूराम चौधरी/ 0.2.05.2024	श्रीमति वीणा व्यास पत्नि श्री विजय शंकर/14.05.2024
श्री अणदाराम पुत्र मिश्री लाल एवम् धूड़राराम पुत्र भोलाराम	420/29.07.2022	1-सी-30/ 210व.मी.	7(210)9/81	श्री आशीष चौधरी पुत्र नाथूराम चौधरी/ 02.05.2024	श्रीमति गीता नातू एवम् राहुल नातू /14.05.2024
श्री अणदाराम पुत्र मिश्री लाल एवम् धूड़राम पुत्र भोलाराम	420/29.07.2022	1-सी-31/ 210व.मी.	7(210)9/81	श्री आशीष चौधरी पुत्र नाथूराम चौधरी/ 0.2.05.2024	श्रीमति गीता नातू एवम् श्री राहुल नातू/14.05.2024
श्री अणदाराम पुत्र मिश्रीं लाल एवम् धूड़राम पुत्र भोलाराम	420/29.07.2022	1-सी-32/ 210व.मी.	7(210)9/81	श्री आशीष चौधरी पुत्र नाथूराम चौधरी/ 02.05.2024	श्रीमति गीता नातू एवम् श्री राहुल नातू 14.05.2024

श्रीमति वीणा व्यास पत्नि श्री विजय शंकर व्यास, श्रीमति गीता नातू पत्नि श्री राहुल नातू एवम् राहुल नातू पुत्र श्री रघुनाथ नातू ने समस्त पंजीयन प्रपत्रों की सत्यापित छाया प्रति, निर्धारित शुल्क की रसीद जमा करवाकर मण्डल रिकार्ड में अपनपा नाम दर्ज करने हेतु आवेदन किया है। श्रीमति वीणा व्यास पत्नि श्री विजय शंकर व्यास, श्रीमति गीता नातू पत्नि श्री राहुल नातू एवम राहुल नातू पुत्र श्री रघुनाथ नातू का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज करने की कार्यावाही विधाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति/ हितकारी को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 10 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है श्रीमति वीणा व्यास पत्नि श्री विजय शंकर व्यास, श्रीमति गीता नातू पत्नि श्री राहुल नातू एवम् राहुल नातू पुत्र श्री रघुनाथ नातू का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर लिया जाएगा।

सहायक आवासन अधिकारी
राजस्थान आवासन मण्डल
वृत्त-बीकानेर

अजमेर में तीन मंजिला इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में भीषण आग लगी

आग से शोरूम का सामान जलकर राख हुआ, लाखों का नुकसान हुआ

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में बुधवार सुबह आशागंज रोड स्थित संत कंवरराम स्कूल के पास स्थित तीन मंजिला बिल्डिंग के इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लग गई। ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग धीरे-धीरे तीन मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। आग से शोरूम में रखा इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी तेज थी कि बिल्डिंग में दरार आ गई, जिसके चलते आस-पास की अन्य बिल्डिंग को भी खाली करवा लिया है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गए। दमकल विभाग की चार से अधिक गाड़ियों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में लगी आग को दमकल कर्मियों ने बुझाया।

आशागंज रोड स्थित संत कंवरराम स्कूल के पास बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब खालसा इलेक्ट्रॉनिक के तीन मंजिला शोरूम में करीब 8:30 बजे शोरूम में अचानक धुंआ उठता दिखाई दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया और कुछ ही देर में पूरी बिल्डिंग को अपने चपेट में ले लिया। शोरूम में रखे इलेक्ट्रॉनिक सामान कूलर, एसी, पंखे पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग के कारण बिल्डिंग की दीवारों व पट्टियों में दरारें आ गईं, जिसके बाद आसपास की अन्य इमारतों और दुकानों को खाली करवाया गया। आग की सूचना मिलते ही रामगंज थाना पुलिस, क्लॉक टावर थाना प्रभारी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) गजेंद्र सिंह, पुलिस उपअधीक्षक ओमप्रकाश सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत कार्य के लिए सिविल डिफेंस, बिजली विभाग और पीडब्ल्यूडी को भी बुलाया गया। ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया और आसपास के लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं मौके पर विधायक अनिता भदेल भी पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

- आग इतनी तेज थी कि बिल्डिंग में दरारें आ गईं, आसपास की अन्य बिल्डिंग को भी खाली करवा लिया गया

आग लगने से बजा बैंक का सायरन :- बिल्डिंग के पास पंजाब नेशनल बैंक का सायरन भी आग की लपटों के बीच बज उठा। राहत की बात यह रही कि समय पर कार्रवाई होने से कोई जनहानि नहीं हुई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन की प्रारंभिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। आवासीय बिल्डिंग में व्यवसायिक गतिविधि संचालित हो रही थी, इसमें इलेक्ट्रॉनिक शोरूम, गोदाम और मसालों का व्यवसाय भी संचालित किया जा रहा था। हैरानी की बात यह है कि बिल्डिंग में किसी भी प्रकार के अग्निशमन यंत्र मौजूद नहीं थे। एक बार फिर नगर निगम और प्रशासन की लापरवाही उजागर हुई।

मारवाड़ में भीषण गर्मी का कहर, हीट वेव का अलर्ट जारी

जोधपुर, (कासं)। ज्येष्ठ का महीना शुरू होने के बाद से ही पश्चिमी राजस्थान में अब लगातार गर्मी व तेज धूप का कहर बढ़ता जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद गुरुवार से एक बार फिर गर्मी के तेवर तीखे हो जाएंगे।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद 15 मई से गर्मी के तेवर तीखे होंगे। पंद्रह मई से उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के जिलों में हीट वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने व तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

जोधपुर व बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में 15 मई से अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं हीट वेव का नया दौर शुरू होने की संभावना है। बुधवार को भी जोधपुर में तापमान चालीस डिग्री के ऊपर रहा। तीखी धूप के साथ हवा में अधिक नमी ने झकझोरने वाली गर्मी पैदा कर दी। गर्मी के कारण शहरवासी हलकान हो गए। सूर्यनगरी में बुधवार को न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। सुबह दस बजे धूप इतनी तीखी हो गई कि सीधे धूप में निकलना मुश्किल हो गया। दोपहर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंच गया। गर्मी तेज होने की वजह से शहरवासी पसीना-पसीना होते रहे।

अधेड़ के शव की पहचान हुई

टोंक, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र में सोमवार को मिले शव की शिनाख्त अजमेर जिले के उरेश उदावत के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिग्गी थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाइवे स्थित अविका नगर टोल प्लाजा के पास मिले अधेड़ के शव की पहचान अजमेर के सरवाड़ थाना क्षेत्र का सुरेश उदावत के रूप में हुई है। वहीं परिजनों के अनुसार सुरेश उदावत शराब का आदी था और ज्यादातर समय घर से बाहर रहता था। परिजनों को सूचना मिली कि मालपुरा अस्पताल में एक अधेड़ का शव रखा हुआ है, परिजनों ने मालपुरा अस्पताल की मॉर्च्युरी में पहुंचकर उसकी शिनाख्त की।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com
क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -04 दिनांक :- 14.05.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 04/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रू0 35.75 लाख के कुल 01 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 15.05.2025 एवं अंतिम तिथि 26.05.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 27.05.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00023
राज.संवाद/सी/25/2306 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

PANCHAYAT SAMITI MANDRAYAL, DISTT. KARAULI
Dispatch No: -PSM/Acc./2025-26/664 Date-02/05/2025
E-Notice Inviting Bid No. 01/2025-26
Bids for Annual Rate contract for Material Supply of Construction Work, Equipment Arrangement and Drilling of Handpump/Tubewell bore & installation in panchayat samiti mandrayal, district karauli are invited interested bidders from 02.05.2025 time 10.00 Am upto 16.05.2025 Time 12:00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 200.00 Lacs
UBN NO:- ZKR2526GLRC00037
NIB CODE:-ZKR 252640023
Block Development Officer
Panchayat Samiti Mandrayal
DIPR/C/6124/2025

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner
Email ID-eepheddn1bkn@gmail.com
Contact No. 0151-2941473
No. 309-328 Date: 02.05.2025
Notice Inviting Bid : 12-15/2025-26
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 16.05.2025 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 202.80 Lacs. UBN No. PHE2526WSRC01989, PHE2526WSRC01990, PHE2526WSRC01991, PHE2526WSRC01992
जल सीमित है, इसकी बचत करें।
(Rajiv Dutta) Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div I Bikaner
DIPR/C/6145/2025

शराब के लिए बदमाशों ने एक ही बस में दो बार लूटपाट की

घटना को लेकर वीडियो भी सामने आया है, पुलिस जांच कर रही है

डूंगरपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के पाटिया और फिर डूंगरपुर के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एक ही बस से दो बार लूटपाट हुई। पहले पाटिया में 3 बदमाशों ने 24 हजार 500 रुपए लूट लिए। 12 घंटे बाद 15 साथियों को लेकर बदमाश फिर आए और मोदर के पास बस पर हमला कर दिया। लट्ठ-पत्थरों से बस से जांच फोड़ दिए। सवारियों से मारपीट कर लूटपाट की। हमले में 1 महिला समेत 3 सवारियों को चोटें भी आई। घटना को लेकर वीडियो भी सामने आया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

मनीषा ट्रेवल्स के संचालक विजय पुत्र ईश्वर गरासिया निवासी खेड़ाघाटी फला गमेती की ओर से पहले पाटिया थाने और फिर बिछीवाड़ा थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 12 मई को सवारियां लेकर वह बेणेश्वर धाम गया था। सवारियां उतारने के बाद वह वापस बस लेकर जा रहा था। पाटिया थाना क्षेत्र में गंगानगर के पास जाते ही दो बाइक पर तीन बदमाश आए। बदमाशों ने बस को रुकवाकर शराब पीने के लिए पैसे मांगे। मना करने पर बदमाशों ने बस का फाटक खोलकर मारपीट की और जेब से 24 हजार 500 रुपए लूट लिए। हो हल्ला होने पर बदमाश बाइक छोड़कर ही भाग गए। बाद में पाटिया थाना पुलिस को दोनों बाइक सौंप दी। पाटिया थाना पुलिस को रिपोर्ट दी गई।

- पहले पाटिया में तीन बदमाशों ने बस में 24500 रुपए लूट लिए
- 12 घंटे बाद 15 साथियों को लेकर बदमाश फिर आए और मोदर के पास बस पर फिर हमला कर दिया
- सवारियों से मारपीट कर लूटपाट की, हमले में एक महिला समेत तीन सवारियों को चोटें आई

संचालक विजय ने बताया कि इसके बाद दूसरे दिन 13 मई को बस में सवारियों को लेकर देव सोमनाथ की ओर ले जा रहा था। मोदर गांव के पास जाते ही रोड पर 15 बदमाश हाथों में लट्ठ, पत्थर लेकर खड़े थे। बदमाशों ने बस को रोककर हमला कर दिया। बस के सभी कांच फोड़ दिए। बदमाश रूट पर चलने के लिए हफ्ता देने की मांग करने लगे। हफ्ता देने से मना करने पर बदमाश बस में चढ़ गए। बस में बैठी करीब 30 सवारियों को लट्ठ, पत्थरों से बदमाशों ने डराया धमकाया और उनसे भी लूटपाट की। बदमाश सवारियों से भी कैश ओर अन्य चीजें लूट ली, लेकिन लोगों से कितनी लूट हुई, इसकी पूरी जानकारी नहीं मिली है। वहीं, मारपीट की वजह से एक महिला सहित तीन सवारियों को गंभीर चोटें आई है।

फरार वांछित आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में 15 माह से फरार जिला स्तरीय पांच हजार रूपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी व मेहन्दवास थानाधिकारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने थाने के प्रकरण एनडीपीएस एक्ट में 15 माह से फरार व पांच हजार रुपए का इनामी आरोपी रमेश पुत्र लादूराम बैरवा निवासी मोरडा थाना मेहन्दवास हाल निवासी एजेन्सी एरिया देवली जो शातिर किस्म का अपराधी था, जो बार बार मोबाइल सिम व अपना नाम पता बदलकर अलग-अलग जगह छुपकर रह रहा था। जिसको टीम द्वारा अहमदपरा चौकी से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया, जिसको न्यायालय के समक्ष पेश किया जावेगा।

इसी क्रम में देवली वृत्ताधिकारी रामसिंह जाट व दूनी थानाधिकारी हेमन्त जनागल के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना देवली के स्मैक तस्करी के मामले में दो साल से फरार पांच हजार के इनामी को तकनीकी व मुखबीर की सूचना पर स्मैक तस्करी के मामले में आरोपी बंटी बंजारा पुत्र बहादूर बंजारा निवासी जीवा नायक का खेडा थाना गंगरार जिला चित्तौड़गढ़ को गत रात्रि को गिरफ्तार किया जाकर जिसे न्यायालय के आदेश पर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। मुल्जिम ने पिछले दो साल में हैदराबाद व चैन्नई शहरों में कम्बल व कुर्सियां बेचने का काम करते हुए फरारी काटी थी।

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2025/1337 दिनांक :- 13.05.2025
:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 26.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB04487) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/2232

छात्रा ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना क्षेत्र के गडापट्टापीठ गांव में एक नाबालिग ने आत्महया कर ली। मृतका की पहचान असीना के रूप में हुई है। वह दसवीं कक्षा की छात्रा थी। घटना मंगलवार सुबह की है। असीना का शव उसके घर के बाहर एक पेड़ से लटका मिला।

सोमवार शाम को उसका अपने भाई से झगडा हुआ था। असीना ने इस बारे में अपने पिता आशीष कटारा को फोन पर बताया था। आशीष कटारा और उनकी पत्नी गुजरात में मजदूरी करते हैं। उनके तीन बच्चे घर पर रहते थे। झगड़े की जानकारी मिलने पर पिता ने फोन पर दोनों बच्चों को डांटा था। उन्होंने वापस आकर मामला सुलझाने की बात कही थी। माता-पिता भी गुजरात से तुरंत घर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पेड़ से उतारा। शव को सीमलवाडा अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया।

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण
पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर, टेलीफोन नम्बर - 0141-2600032
ई-मेल आई.डी. :- adma.jaipur@gmail.com
क्रमांक :- कार्य निदेशक/एडमा/लेखा/2025-26/526 दिनांक :- 09/05/2025
ई-बिड़ संख्या - 02/2025-26
आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण, जयपुर स्थित स्मारकों/संग्रहालयों में विभिन्न सिविल एवं विद्युत कार्यो हेतु राज्य सरकारों/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है।
(ई-बिड संख्या-02/2025-26 की कुल लागत राशि रूपये 425.51 लाख)
NIB Code : ADA2526A0003
बिड यू.बी.एन. नम्बर :- ADA2526SSOB00008, ADA2526WSOB00009, ADA2526WSOB00010, ADA2526WSOB00011
राज.संवाद/सी/25/2245 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

सीकर पुलिस 148 बांग्लादेशियों को लेकर जोधपुर पहुंची, डिपोर्ट किया

अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी यहां अपनी शरणस्थली समझकर अवैध रूप से टिके हुए थे

जोधपुर, (कांस)। भारत में अवैध रूप से रहने वाले प्रवासियों विशेषकर पाक और बांगलादेशियों को अब डिपोर्ट किया जाने लगा है। जोधपुर से बुधवार को 148 बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया गया है। अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी यहां अपनी शरणस्थली समझकर अवैध रूप से टिके हुए थे। अब भारत एक्शन मूड में है। भारत इन अवैध रूप से रह रहे लोगों को देश से बाहर निकलने का क्रम शुरू कर चुका है और पहली खेप जोधपुर से रवाना कर दी गई है। जोधपुर से 148 अवैध बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करने की कार्रवाई शुरू हुई है। इन बांग्लादेश्यों को पहले जोधपुर से पश्चिम बंगाल ले जाया जाएगा और उसके बाद पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश भेज दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय से देखने को मिल रहा है कि कुछ लोग भारत को अपनी शरणस्थली मान बैठे हैं। जब चाहे भारत में आकर अवैध रूप से रहने लग जाते हैं और भारत में अपने दस्तावेज भी बना लेते हैं। उनके खिलाफ पिछले कुछ दिनों से राजस्थान पुलिस ने विशेष अभियान चलाया और पूरे प्रदेश में 1008 बांग्लादेशी पकड़े गए। जिला जयपुर रेंज में 761 बांग्लादेशी पकड़े गए। सीकर में कुल 394 अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए। दस्तावेजों की जांच के बाद 148 बांग्लादेशी नागरिकों की पहली खेप लेकर सीकर पुलिस जोधपुर पहुंची और यहां से एयर फोर्स स्टेशन से इन्हें पश्चिम बंगाल के लिए रवाना किया गया। इन सभी लोगों को पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। इन सभी बांग्लादेशों को लेकर सीकर पुलिस आज जोधपुर पहुंची, जहां इन्हें एयर फोर्स स्टेशन के अंदर ले जाया गया और फिर यहां से इन्हें पश्चिम बंगाल भेजने की कार्रवाई शुरू हुई।

जवाहर कला केन्द्र
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
खुली निविदा सूचना संख्या-JKK/258, 259 & 260/Store/2025-26
JKK GSTIN - 08AAAJJ0462D1ZM
Jawahar Kala Kendra, Jaipur

		NIB JKK2526A0006 UBN: JKK2526GSOB00006	NIB JKK2526A0008 UBN: JKK2526SSOB00008	NIB: JKK2526A0007 UBN:JKK2526SSOB00007
1	उपापन अधिकारी	अतिरिक्त महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक
2	बोली का संक्षिप्त विवरण	जवाहर कला केन्द्र के ग्राफिक स्टूडियो एवं कार्यालय उपयोग हेतु स्टेशनरी/आर्ट एण्ड क्राफ्ट सामग्री आपूर्ति हेतु दर निविदा अनुबंध	जवाहर कला केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों हेतु स्टेण्डी/बैनर/फ्लेक्स आदि से प्रिन्टिंग कर विज्ञापन के कार्य की आपूर्ति	जवाहर कला केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु विभिन्न प्रकार के मुद्रण पोस्टर, ब्रोशर, निमंत्रण पत्र, पम्पलेट,टिकट, प्रमाण-पत्र, पहचान-पत्र इत्यादि कार्य के आपूर्ति हेतु
3	बोली की अनुमानित लागत	रूपये 6.00 लाख (मय जी.एस.टी.)	रूपये 9.50 लाख (मय जी.एस.टी.)	रूपये 6.00 लाख (मय जी.एस.टी.)
4	बोली का प्रकार	खुली प्रतियोगी बोली द्वारा दर संविदा	खुली प्रतियोगी बोली द्वारा दर संविदा	खुली प्रतियोगी बोली द्वारा दर संविदा
5	बोली विक्रय (Download) प्रारंभ करने की दिनांक एवं समय	दिनांक 13.05.2025 अपरान्ह् 4:00 बजे (Can be downloaded from http://sppp.raj.nic.in & jkk.artandculture.rajasthan.gov.in)	दिनांक 13.05.2025 अपरान्ह् 4:30 बजे (Can be downloaded from http://sppp.raj.nic.in & jkk.artandculture.rajasthan.gov.in)	दिनांक 13.05.2025 अपरान्ह् 4:30 बजे (Can be downloaded from http://sppp.raj.nic.in & jkk.artandculture.rajasthan.gov.in)
6	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी	दिनांक 16.05.2025 अपरान्ह् 3:00 बजे	दिनांक 19.05.2025 अपरान्ह् 3:00 बजे	दिनांक 19.05.2025 अपरान्ह् 3:00 बजे
7	बोली प्रपत्र की कीमत	रूपये 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	रूपये 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	रूपये 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।
8	बोली प्रतिभूति (Bid Security)	लागत राशी का 2 प्रतिशत राशी रूपये 12,000/-डी.डी./बैंकर्स चैक/एफ.डी.आर. अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	लागत राशी का 2 प्रतिशत राशी रूपये 19,000/-डी.डी./बैंकर्स चैक/एफ.डी.आर अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	लागत राशी का 2 प्रतिशत राशी रूपये 12,000/-डी.डी./बैंकर्स चैक/एफ.डी.आर. अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।
9	तकनीकी बोली खोलने की दिनांक	दिनांक 16.05.2025 को अपरान्ह् 5.00 बजे	दिनांक 20.05.2025 को अपरान्ह् 2.00 बजे	दिनांक 20.05.2025 को अपरान्ह् 2.00 बजे
10	वित्तीय बोली खोलने की दिनांक व समय	तकनीकी बोली में सफल बोली दाताओं को सूचित किया जायेगा	तकनीकी बोली में सफल बोली दाताओं को सूचित किया जायेगा	तकनीकी बोली में सफल बोली दाताओं को सूचित किया जायेगा
11	बोली जमा कराने/खोलने का स्थान	जवाहर कला केन्द्र, जयपुर जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004	जवाहर कला केन्द्र, जयपुर जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004	जवाहर कला केन्द्र, जयपुर जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004
12	बोली की वैद्यता अवधी	बोली जमा कराने की तिथी से 90 दिवस	बोली जमा कराने की तिथी से 90 दिवस	बोली जमा कराने की तिथी से 90 दिवस
13	आपूर्ति अवधि	आपूर्ति आदेश दिये जाने पर ग्राफिक स्टूडियो एवं कार्यालय उपयोग हेतु स्टेशनरी/आर्ट एण्ड क्राफ्ट सामग्री स्टोर अनुभाग को निर्देशित अवधि में आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।	आपुर्ति आदेश दिये जाने बैनर/फ्लेक्स प्रिन्टिंग से संबंधित कार्य कार्यक्रम तिथि से 2 दिवस पहले अथवा निर्देशानुसार निर्धारित स्थान पर लगाया जाना अनिवार्य होगा।	आपूर्ति आदेश दिये जाने पर विभिन्न प्रकार के मुद्रण पोस्टर, ब्रोशर, निमंत्रण पत्र, पम्पलेट, टिकट, प्रमाण-पत्र, पहचान-पत्र इत्यादि से संबंधित कार्य कार्यक्रम तिथि से 2 दिवस पहले अथवा निर्देशानुसार निर्धारित स्थान पर लगाया जाना अनिवार्य होगा।
14	बोली हेतु अधिकृत अधिकारी	अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र,जयपुर	अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर	अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर

1. बोली दाता, बोली दस्तावेज में उल्लेखित निर्धारित समयावधि में जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के स्टोर अनुभाग से बोली शुल्क जमा करवाकर बोली प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं,या स्वयं जवाहर कला केन्द्र की वेबसाइट से डाउनलोड करने की स्थिति में बोली शुल्क जरिये डिमाण्ड ड्राफ्ट (अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर) जमा कराना होगा। बोली शुल्क व बोली प्रतिभूति राशि के अभाव में बोली दाता को तकनीकी रूप से असफल माना जायेगा व उनकी वित्तीय बोली स्वीकार नहीं की जायेगी। उक्त कार्य के संबंध में किसी प्रकार की सूचना एवं स्पष्टीकरण हेतु किसी भी कार्य दिवस में इस कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।
2. बोली प्रस्ताव पूर्ण रूप से भरा हुआ मय हस्ताक्षर एवं संलग्नों के साथ उपरोक्तानुसार निर्धारित तिथि तक इस कार्यालय के सहायक अभियन्ता के कक्ष में रखे सील-बंद बाक्स में निर्धारित समय एवं तिथि पर जमा करावें। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त बिड बिना किसी विचार के निरस्त कर दी जावेगी। बोली प्राप्त होने में हुई देरी के लिये विभाग किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।

अतिरिक्त महानिदेशक
जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
राज.संवाद/सी/25/2310

स्कूल से पोषाहार चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर के आकाशवाणी केंद्र के पीछे स्थित राजकीय संस्कृत स्कूल, नवाडेरा में हुई पोषाहार चोरी के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रिंसिपल भारती भील की शिकायत पर दर्ज मामले में 28 अप्रैल को दोपहर एक बजे से शाम छह बजे के बीच स्कूल से 1 क्विंटल 71 किलोग्राम गेहूं की चोरी हुई थी। इसके बाद 2-3 मई की रात में फिर से स्कूल से 81 किलो चावल चोरी हो गए। जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सैन के निर्देश पर पुलिस ने पहले ही एक आरोपी अमित रोत और एक नाबालिग को पकड़ा था। पूछताछ में इन्होंने अपने साथी राहुल का नाम बताया। पुलिस ने राहुल और चोरी का माल खरीदने वाले अनिल कलाल को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से चोरी के दो गैस सिलेंडर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल नवाडेरा का रहने वाला है,जबकि अनिल पटेल उदयपुरा का निवासी है। पहले गिरफ्तार किया गया अमित रोत डोलवरिया ओडा का रहने वाला है, जो अपने मामा के यहां नवाडेरा में रह रहा था।

- पुलिस ने पहले ही एक आरोपी अमित रोत और एक नाबालिग को पकड़ा था

सरकारी स्कूल से पोषाहार चोरी के दो और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

हाईकोर्ट व लोअर कोर्ट का समय आज से बदलेगा

जोधपुर, (कांस)। राजस्थान हाईकोर्ट व प्रदेश की सभी लोअर कोर्ट का समय ग्रीष्मकाल 15 मई से 27 जून तक की अवधि के लिए बदल जाएगा। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के रजिस्ट्रार (प्रशासन) शैलेंद्र व्यास ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी की है।

ग्रीष्मकाल अवधि के दौरान हाईकोर्ट का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। इस बीच लंच टाइम 10:30 से 11 बजे तक रहेगा। वहीं कार्यालय समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा और इनके लिए लंच टाइम 10:30 से 10:45 बजे तक रहेगा।

इसी तरह अधीनस्थ न्यायालय का समय भी सुबह 8 से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा। अधीनस्थ न्यायालय के ऑफिस का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। कोर्ट और इनके ऑफिस में लंच टाइम सुबह 10 से 10:15 बजे तक रहेगा। इन कोर्ट के पीठासीन अधिकारी सुबह 7:30 से 8 बजे और दोपहर 12:30 बजे से 1 बजे तक अपने चैंबर्स में कार्य करेंगे।

नेपाली गैंग ने की चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर कांग्रेस नेता के घर लूटपाट

नौकर दम्पति सहित दो साथियों ने दी वारदात को अंजाम

- सास-बहू मेट्रो मास हॉस्पिटल में भर्ती
- कांग्रेस नेता संदीप चौधरी रहे चुके हैं भूमि विकास बोर्ड के अध्यक्ष
- पुलिस ने की इलाके में नाकाबंदी, फिलहाल नहीं लगा कोई सुराग

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में बुधवार सुबह नेपाली गैंग के नौकर दम्पति सहित उनके दो साथियों ने कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि गैंग ने नेता की मां और पत्नी को चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी लूट कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर इलाके में नाकाबंदी करवाई, लेकिन नेपाली गैंग के सदस्यों को कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज सहित खंगालने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि वैशाली नगर थाना इलाके के आनंद नगर इलाके के रहने वाले भूमि विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर लूट की वारदात हुई है। जहां मुख्य आरोपी नेपाली नौकर काजल और भरत ने उनकी मां कृष्णा (75) और उनकी पत्नी ममता (43) को चाय में नशीला पदार्थ पिला दी। बेहोश होने के बाद आरोपियों ने दो अन्य साथियों को बुलाकर लूटपाट कर फरार हो गए। पुलिस जानकारी में सामने आया कि कांग्रेस नेता संदीप ने बुधवार सुबह साढ़े सात बजे पहले मां और फिर पत्नी को फोन किया। लेकिन दोनों ने नहीं उठाया। इसके बाद बेटी राजश्री को फोन किया। राजश्री ने कमरे से निकलकर देखा तो दादी और मां दोनों कमरे में बेहोश थी। कांग्रेस नेता फिर पड़ोस में रहने वाले भांजे रोहित को कॉल किया। रोहित ने अपने पिता को भेजा। जहां दोनों महिला बेहोशी हालत में मिलने पर मेट्रो मास हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। घटना के वक्त संदीप चौधरी का 13 साल का बेटा राजदीप भी घर पर ही था। बताया जा रहा कि कांग्रेस नेता के परिवार ने नेपाल के रहने वाले पति-पत्नी को 10 दिन पहले ही खाना बनाने के काम पर रखा था। फिलहाल मुख्य आरोपी नौकर पति-पत्नी के साथ उनके दो साथियों की तलाश की जा रही है। जयपुर शहर में नाकाबंदी भी कराई गई है।

2346 फार्मासिस्ट का पदस्थापन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग रिक्त पदों पर भर्ती एवं पदस्थापन के कार्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने 2346 फार्मासिस्ट की नियुक्ति करते हुए उन्हें प्रदेशभर में विभिन्न रिक्त पदों पर पदस्थापित किया है।

बीकानेर तकनीकी विवि. में कुलगुरु नियुक्त

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो.अखिल रंजन गर्ग को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। बागडे ने कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. अखिल रंजन गर्ग के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की सफल क्रियान्विति के निर्देश

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन स्थित राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उनको स्वागत किया गया।

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन स्थित राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान बैंक अधिकारियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की प्रगति जानकारी प्राप्त की।

दक ने योजना को समुचित रूप से क्रियान्वित करते हुए अधिक से अधिक पात्र ऋणी सदस्यों को योजना से लाभान्वित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से योजना के संबंध में की जा रही कार्यवाही और अब तक की प्रगति की जानकारी ली। एसएलडीबी के प्रबंध निदेशक श्री जितेन्द्र प्रसाद ने अवगत कराया कि योजना के तहत 13 मई तक 21 हजार 812 पात्र ऋणियों को नोटिस तामील करवाये जा चुके हैं तथा कुल 921 मामलों में 21.96 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक भूमि विकास बैंकों के स्तर पर वसूली में सहयोग एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए एसएलडीबी से प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

इस दौरान सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि जिन प्राथमिक बैंकों में प्रगति आशानुरूप नहीं है, वहां अधिक फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष में पहली बार राज्य सरकार भूमि विकास बैंकों के ऋणी सदस्यों के लिए यह महत्वपूर्ण योजना लेकर आई है, जिससे भूमि विकास बैंकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और ऋणी सदस्यों को मुख्यधारा में आने व पुनः निवेश ऋण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अतः अधिकारी पूरे मनोयोग से प्रयास करते हुए योजना की सफल क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने बैंक परिसर में विराजमान भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश के किसानों की खुशहाली और दीर्घकालीन सहकारी साख संरचना के पुनरूद्धार की कामना की। एसएलडीबी की महाप्रबंधक उषा कपूर सहित अन्य बैंक अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चार हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

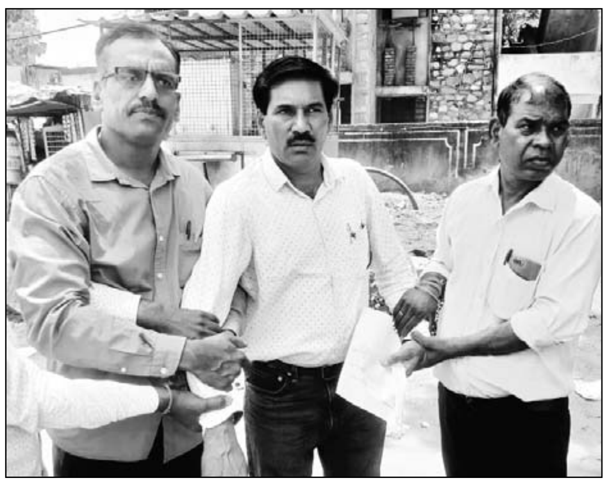

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर मुख्यालय की जयपुर नगर द्वितीय टीम ने बुधवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर मुख्यालय की जयपुर नगर द्वितीय टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए कार्रवाई करते हुये मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार को चार हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी जयपुर नगर द्वितीय को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी स्कूल के बच्चों का रिकॉर्ड अपलोड करने के लिए यूडाईस कोड आवेदन पत्र को संशोधित कर जारी करने की एवज में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार 15 हजार रूपये की रिश्वत की मांग कर रहा था व दबाव बनाकर 10 हजार रूपये पूर्व में व 1000 रूपये सत्यापन के दौरान प्राप्त कर लिये।

जिस पर एसीबी जयपुर नगर द्वितीय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश किलानिया के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार को 4 हज़ार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

बस सारथियों को हटाने पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएसआरटीसी में सालों से संविदा पर कार्यरत बस सारथियों को हटाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आरएसआरटीसी के एमडी और कार्यकारी निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सुभाष चन्द व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुरेंद्र लांबा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता आरएसआरटीसी में सालों से संविदा पर बस सारथी पद पर रहकर कंडक्टर का काम कर रहे हैं। रोडवेज ने गत 5 फरवरी को एक आदेश जारी कर सिविल डिफेंस से जुडे स्वयं सेवकों को बस सारथी के पद पर नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही इन स्वयं सेवकों को बस सारथी के कार्य का प्रशिक्षण भी दिया है। याचिका में कहा गया कि उन्हें अंदेशा है कि रोडवेज उन्हें हटाकर इन स्वयं सेवकों को उनके स्थान पर संविदा पर लेना चाहता है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाई

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को यातायात पुलिसकर्मियों को धूप से आंखों के बचाव के लिए सन-ग्लासेज वितरित किये गये एवं साथ ही निर्धारित गति से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध ऑनलाईन कार्यवाही के लिए हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जोसफ ने बताया कि किसी भी शहर में जाते हैं तो पुलिस का चेहरा सर्वप्रथम ट्रैफिक पुलिस कर्मी के रूप में नजर आता है और आज आपका चेहरा और स्मार्ट बनाया गया है। जयपुर यातायात पुलिस को स्मार्ट बनाया गया है। जिससे आपको धूप में ट्रैफिक रेगुलेट करने में और सुविधाजनक होगा। उन्होने कहा कि यातायात पुलिस का ध्येय केवल यातायात को सुगम एवं सरल बनाना होना चाहिए। पिछले कुछ समय में जयपुर शहर में अमेरिका के उपराष्ट्रपति सहित कई वीआईपी विजिट के दौरान ट्रैफिक पुलिस के बंदोबस्त की सराहना की गई एवं हाल ही में विद्याधर नगर में आयोजित बड़ी कथा की सफलता ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की मेहनत एवं लगन रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को यातायात पुलिसकर्मियों को निर्धारित गति से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध ऑनलाईन कार्यवाही के लिए हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने यातायात पुलिसकर्मियों को धूप से आंखों के बचाव के लिए सन-ग्लासेज वितरित किये गये एवं निर्धारित गति से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध ऑनलाईन कार्यवाही के लिए हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस को पेट्रोलिंग के लिए पांच हॉवरबोर्ड स्कूटर उपलब्ध कराये गये इनके द्वारा शहर के मॉल्स, मुख्य मार्गो पर यातायात संचालन में सुविधा होगी। आमजन को सुगम एवं सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराने के लिए शहर के चौराहों,तिराहो पर तैनात यातायात कर्मियों को कड़ी धूप एवं हीटवेव के दौरान ऑखों की सुरक्षा के लिए सन-ग्लासेज एवं होमगार्ड हेतु रात्रि में यातायात संचालन के दौरान सुरक्षा हेतु रिफ्लेक्टिव जॉकिट वितरित किये गये। पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा स्वप्रेरणा से सीएसआर एक्टिविटी के तहत यातायात पुलिस जयपुर को सन-ग्लासेज, आईरन बैरीकेड्स उपलब्ध कराये गये है।

व्हाट्सअप बॉट के जरिये एलआईसी प्रीमियम का भुगतान कर सकेंगे

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने आज व्हाट्सअप बॉट के माध्यम से प्रीमियम भुगतान के लिये ऑनलाइन सुविधा का अनावरण किया।

इस फीचर का शुभारंभ 9 मई को सीईओ और एमडी सिद्धार्थ महान्ति के द्वारा सभी प्रबंध निदेशकों एम.जगन्नाथ, तवलेश पांडे, सतपाल भानु और आर. दुरैस्वामी और निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। यह विकल्प एलआईसी ग्राहकों को प्रीमियम का भुगतान ऑनलाइन करने का एक और वैकल्पिक विकल्प प्रदान करेगा। पंजीकृत ग्राहक पोर्टल उपयोगकर्ता भुगतान के लिये देय पॉलिसियों का पता लगाने के लिये व्हाट्सअप नंबर का उपयोग कर सकते हैं। और सीधे व्हाट्सअप बॉट के द्वारा भुगतान कर सकते हैं। ग्राहक के प्रीमियम के लिये देय पॉलिसियों की पहचान करने से लेकर भुगतान और रसीद बनाने तक का कार्य किया जायेगा। सीईओ महान्ति ने कहा कि यह विकल्प एलआईसी के ग्राहकों के लिये संचालन के कार्य को आसान बनाएगा और तेजी से बढ़ रहे व्हाट्सअप के माध्यम से कही से भी कभी एलआईसी प्रीमियम का भुगतान करने के लिये एक आसान उपकरण होगा।

छह साल से कोचिंग सेंटर्स के लिए न कानून बना ना गाइडलाइन लागू हुई : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों की ओर से आत्महत्या करने से जुडे मामले में सुनवाई करते हुए मौखिक टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि साल 2019 से इस संबंध में कानून बनाने की बात हो रही है, लेकिन अभी तक कोचिंग संस्थानों को रेगुलेट करने का कानून नहीं बना है। इसके अलावा कानून बनने तक बनाई गई गाइडलाइन को भी लागू नहीं किया जा रहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखी है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने यह आदेश मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि आत्महत्याओं को लेकर न्यायमित्र की ओर से पूर्व में पेश आंकड़ों का सत्यापन किया गया है। इस साल जनवरी माह से 8 मई तक 14 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है। दूसरी ओर एक कोचिंग सेंटर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में मामला विचाराधीन है। जिस पर 23 मई को सुनवाई होनी है। ऐसे में तब तक हाईकोर्ट की ओर से कोई आदेश नहीं दिया जाए। इस पर अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखी है।

जन सेवा का उदाहरण बनी मुख्यमंत्री की जन-सुनवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील, सेवाभावी और सर्वस्पर्शी कार्यों की त्रिवेणी ने आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करने का एक तंत्र सुविकसित किया है। जन सेवा को सर्वाच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के साथ परिवेदनाओं को उसके निष्कर्ष तक पहुंचाना इस तंत्र का आधार है। इससे प्रदेश के युवा, महिला, मजदूर और किसान सहित सभी वर्गों को सुगम सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री शर्मा के सुस्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में जनता की समस्याओं का समयबद्धता निस्तारण किया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई ने जनसेवा का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

छह पुलिसकर्मी कांस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को ''कांस्टेबल ऑफ दी मंथ'' के अवार्ड से सम्मानित किया।

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को "कांस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि अप्रैल माह 2025 का "कांस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित महिला कांस्टेबल पुलिस थाना बजाजनगर अन्नपूर्णा ने कार्य बड़ी मेहनत लग्न एवं रूचि से कुशलतापूर्वक राजकार्य सम्पन्न किया है। वहीं जिला पश्चिम के कांस्टेबल पुलिस थाना बगरू हंसाराम ने ज्वैलर्स की दुकान में हथियार दिखाकर सोने-चांदी के गहने लूटने के घटना स्थल एवं आने-जाने के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग देखकर व आस-पास के लोंगो से जानकारी प्राप्त कर वारदात को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों को चिन्हित कर आरोपी सोहेल, कन्हैयालाल व प्यारेलाल को दस्तयाब कर लूटे हुये गहने व वारदात में प्रयुक्त हथियार एवं वाहन को बरामद करवाने में अहम भूमिका निभायी। जिला उत्तर के कांस्टेबल पुलिस थाना विद्याधनगर महिपाल ने वांछित ईनामी अपराधी आदित्य कुमावत को चिन्हित कर कड़ी मेहनत व आसूचना संकलित कर गिरफ्तार कराया व अन्य वाहन चोरी की वारदतों का खुलास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिला दक्षिण के पुलिस थाना श्यामनगर के कांस्टेबल पवन कुमार ने शातिर चैन स्नैचर वारिस खान को गिरफ्तार करवाने में एस्कार्ट सर्विस के नाम पर लूटमार करने वाली गैंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में एक अन्य प्रकरण में चार नकबजन एवं दो खरीददारों को गिरफ्तार करवाकर 25 लाख रूपये का माल बरामद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। यातायात शाखा पूर्व के कांस्टेबल हरीश कुमार ने जयपुर शहर के व्यस्ततम गोविन्द मार्ग पर हॉक में तैनात रहते हुये आमजन को सुगम यातायात प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक कार्यवाही करते हुये यातायात को सुगम संचालन में देर रात्री तक ड्यूटी कड़ी मेहनत व लगन से किया है।

'महिला उद्यमी ऋण योजना' के तहत सस्ती ब्याज दरों पर मिलेगा ऋण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजीविका महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी सदस्यों को लखपति दीदी बनाने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस मुहिम में अब राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजीविका के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के साथ ही राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप श्री अन्न उत्पादों को कॉनफेड एवं सहकारी उपभोक्ता भंडारों के उपहार केन्द्रों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा कॉनफेड के माध्यम से राजीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय में वृद्धि की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए थे। इस क्रम में यह अभिनव पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में कॉनफेड एवं 33 जिला उपभोक्ता सहकारी भण्डारों के 78 उपहार विक्रय केन्द्रों पर राजीविका महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के साथ ही श्री अन्न उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध करवाए जाएंगे।

राजपाल ने बताया कि जयपुर के भवानी सिंह रोड़ स्थित कॉनफेड के नवजीवन सुपर बाजार में एक काउंटर विशेष रूप से राजीविका के उत्पादों की बिक्री एवं डिस्प्ले के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

सहकार मसाला मेले में श्री अन्न से बने उत्पाद बने आकर्षण का केन्द्र

जयपुर। सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ द्वारा जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले में इस बार श्री अन्न से बने उत्पाद खास आकर्षण का केन्द्र बने हैं। जयपुरवासियों को ये उत्पाद खास पसंद आ रहे हैं और

- मेले में जमकर हो रही श्री अन्न से बने उत्पादों की खरीददारी

वे उत्साह के साथ इनकी खरीददारी कर रहे हैं।

मेले में कॉनफेड की स्टॉल के साथ ही लगभग 25 स्टॉल्स पर श्री अन्न से बने उत्पाद उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम होने के कारण इन प्रोडक्ट्स की विशेष रूप से डिमांड देखने को मिल रही है। मेले में कॉनफेड की स्टॉल पर सुश्री अम्बिका ने बताया कि उनके यहां मिलेट मिक्स, रोस्टेड ज्वार, रोस्टेड बाजरा, रागी के बिस्किट, ओट्स बिस्किट, ज्वार की नान खटाई आदि उत्पाद उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों द्वारा खूब पसंद किए जा रहे हैं। वहीं, के.डी. स्वयं सहायता समूह, राजीविका-करौली की स्टॉल पर आदि शर्मा ने बताया कि उनकी स्टॉल पर श्री अन्न से बने 11 वैरायटी के कुकीज उपलब्ध हैं, जो उनकी माता द्वारा घर पर ही तैयार किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि स्टॉल पर आने वाले ज्यादातर लोगों को ये बहुत पसंद आ रहे हैं और इनकी अच्छी बिक्री हो रही है।

सहकार मसाला मेले में कॉनफेड की स्टॉल के साथ ही लगभग 25 स्टॉल्स पर श्री अन्न से बने उत्पाद उपलब्ध हैं।

इसी प्रकार, नव्या स्वयं सहायता समूह, जयपुर की स्टॉल पर मिलेट कुकीज के साथ ही श्री अन्न के पास्ता, नूडल्स, पोहा और सूजी भी उपलब्ध हैं। स्टॉल पर मौजूद मनीष जैन ने बताया कि 5 प्रकार के श्री अन्न सावां, कुटकी, कोदो, कांगनी और छोटी कांगनी भी उनके यहां उपलब्ध है। स्वास्थ्य को लेकर जागरूक लोग इन प्रोडक्ट्स को पसंद कर रहे हैं और जमकर खरीददारी भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री अन्न और श्री अन्न से बने ये उत्पाद मधुमेह, कैंसर, थायराइड, मोटापा, आर्थराइटिस, एनीमिया, हृदय रोग, वात रोग आदि के उपचार में सहायक होते हैं। कोटा जिला सहकारी उपभोक्ता सहकारी संघ की स्टॉल पर पीयूष शर्मा ने बताया कि उनके यहां मखाना मिक्स फलाहारी दलिया, मल्टी ग्रेन दलिया, रागी के फ्लेक्स, सावां के रोस्टेड फ्लेक्स, श्री अन्न का दलिया, शुगर फ्री गेहूं रहित आटा आदि उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि लोगों को अब श्री अन्न का महत्व समझ में आ रहा है और जो भी ग्राहक ये प्रोडक्ट्स खरीदकर ले जा रहे हैं वे इन्हें खरीदने के लिए वापस भी आ रहे हैं।

मेले में खरीददारी के लिए पहुंच रहे लोग भी इन श्री अन्न उत्पादों की जमकर तारीफ कर रहे हैं। जयपुर के सिद्धार्थ नगर की निवासी विमला मीणा ने बताया कि उनके पति चिकित्सक हैं और परिवार में सब स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हैं, इसलिए श्री अन्न से बने उत्पादों को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने कहा कि मेले में कम दामों में शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मिल रहे हैं। गांधी नगर निवासी अनिता ने कहा कि खान-पान में बदलाव के कारण लोगों में कई प्रकार की बीमारियां घर कर रही हैं।

करोड़ों रूपये की ठगी का फरार इनामी आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

आरोपी ने लोगों से प्रोपर्टी में निवेश कराकर करोड़ों रूपयों की ठगी की थी

कोटा, (निसं)। लोगों से प्रोपर्टी में निवेश कराकर करोड़ों रूपयों की ठगी करने के मामले में फरार चल रहे इनामी आरोपी को रामपुरा कोतवाली पुलिस टीम ने जयपुर से गिरफ्तार किया है।

रामपुरा कोतवाली पुलिस ने ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि स्थाई वारंटी, फरारी काट रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर समस्त थानों के थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। शहर एसपी ने बताया कि करोड़ों रूपयों की ठगी में फरार 5 हजार रूपये के इनामी स्थाई वारंटी आरोपी इरफान अंसारी ने लोगों को रूपये दुगने करने का सपना दिखाकर करोड़ों रूपयों की ठगी की थी, जिसके विरूद्ध विभिन्न न्यायालयों में कई प्रकरण लम्बित है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न न्यायालयों से 16 वारंट जारी किये गये थे। जिसके कारण आरोपी इरफान अंसारी का रेंज स्तरीय मोस्ट वांटेड टॉप 10 सूची मे चयन किया था। शहर एसपी ने बताया कि फरार ईनामी आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक राजेश कुमार टेलर के निर्देशन में रामपुरा कोतवाली थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

- **आरोपी के खिलाफ विभिन्न न्यायालयों से 16 वारंट जारी किये गये थे, परिवार के साथ जयपुर में रह रहा था**

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने आरोपी के रिशतेदारों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी इरफान अंसारी परिवार सहित कई वर्षो से फरार चल रहा है।

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम को तकनीकी आधार व मुखबीर द्वारा आरोपी के जयपुर में खो-नागोरियन क्षेत्र में छुपे होने की सूचना मिली। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने खोनागोरियन क्षेत्र में आरोपी इरफान अंसारी के छुपने के संभावित ठिकानों पर रैकी कर आरोपी को जे.एन.यू अस्पताल, खोनागोरिया जयपुर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी नें लोगो को प्रोपर्टी में निवेश कर रूपये दुगने करने के नाम पर करोड़ों रूपयों की ठगी की थी। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

होटल से अवैध मादक पदार्थ सहित दो जने गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। मोखमपुरा पुलिस ने नशा कारोबारियों को गिरफ्तार कर उनके पास 392 ग्राम अफीम व 1 किलो 200 ग्राम डोडा-पोस्त चूरा बरामद किया है।

- **अफीम व डोडा-पोस्त चूरा व छिलका जब्त किया**

मोखमपुरा पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया।

आनंद शर्मा उप महानिरीक्षक पुलिस सह पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया कि अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर अधिक से अधिक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में डीएसटी टीम जिला जयपुर ग्रामीण की आसूचना पर इलाका थाना मौखमपुरा में थानाधिकारी मौजमाबाद उमराव सिंह मय जाब्ता तथा डीएसटी टीम जयपुर ग्रामीण के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा आसूचना संकलन कर एनएच 48 पर नासनोदा के पास हरिओम चौधरी होटल तन नासनोदा पर दबिश देकर होटल में बैठे दो संदिग्ध व्यक्तियों नारणाराम पुत्र भूराराम जाट निवासी माचरों की ढाणी रामसर का कुआं थाना सिणधरी जिला बाड़मेर व हनुमान राम पुत्र ठाकराराम जाट निवासी देलुआ की ढाणी बनाकों का बेरा थाना सदर बाड़मेर जिला बाड़मेर की तलाशी ली तो व्यक्ति हनुमान राम के पास एक प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ अफीम 392 ग्राम मिला तथा दूसरे व्यक्ति नारणाराम की तलाशी ली तो उसके पास से प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 20 ग्राम डोडा-पोस्त चूरा व छिलका मिला। दोनों नशे के कारोबारियों को बिना लाइसेंस व परमिट के मादक पदार्थ की सप्लाई करने पर मौके पर ही गिरफ्तार किया जाकर कब्जे से अफीम व डोडा-पोस्त चूरा व छिलका को जब्त किया गया तथा दोनों के खिलाफ पुलिस थाना मौखमपुरा पर एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी अवैध मादक पदार्थ कहां से लेकर आते हैं तथा किस किसको सप्लाई करते हैं इसके संबंध में पूछताछ की जा रही है।

गैस सिलेण्डर में आग लगी, किचन जला

कार्यक्रम के दौरान देवरानी-जेठानी खाना बना रही थी, लीकेज से पकड़ी आग

पाली, (नि.सं.)। पाली में बुधवार की सुबह एक घर में सामाजिक प्रोग्राम के चलते किचन में देवरानी-जेठानी काम वाली बाई के साथ मिलकर खाना बना रही थी। अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। घबराकर महिलाएं किचन से भागी। घरवालों ने लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। हिम्मत दिखाते हुए एक युवक जलता हुआ सिलेंडर मकान के फर्स्ट फ्लोर से लेकर बाहर आया और बुझाया। इस हादसे में पूरा किचन चल गया और कुछ बिस्तर भी जल गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

- **एक युवक जलता हुआ सिलेंडर मकान के फर्स्ट फ्लोर से लेकर बाहर आया और बुझाया**

एएसआई ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि पाली जनता कॉलोनी जाट छात्रावास के सामने की तरफ रहने वाले मनोज पंवार पुत्र लक्ष्मीनारायण पंवार के फूफाजी के देहांत होने पर बुधवार को उनके घर पर सामाजिक प्रोग्राम था। इसको लेकर उनकी पत्नी संतोष अपनी देवरानी ममता और काम वाली बाई के साथ मेहमाने के लिए खाना बना रहे थे। सुबह के करीब सवा सात बजे अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। घबराकर तीनों किचन से बाहर आ गई। मनोज पंवार दौड़ के मकान के फर्स्ट फ्लोर पर गया जहां किचन था। बिस्तर गीला कर सिलेंडर पर डाला लेकिन आग स्पीड से लग रही थी और सिलेंडर बुझा नहीं। पीड़ित मनोज पंवार ने घटना को लेकर गैस सिलेंडर एजेंसी पर लापरवाही का आरोप लगाया।

जैसलमेर : जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने बुधवार को शहर के रामगढ़ रोड स्थित सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ सीमा सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात की। इस अवसर पर बाड़मेर-जैसलमेर पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, पोकरण विधायक मंहत प्रतापपुरी महाराज, कंवराजसिंह, भाजपा जैसलमेर अध्यक्ष दलपत हिंगड़ा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी तथा उनके अदम्य साहस और देशभक्ति के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

नाबालिग किशोरी का पांच साल तक देहशोषण

अजमेर, (कासं)। अजमेर में एक नाबालिग किशोरी के साथ 5 साल तक दुराचार और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गंज थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती कर उसे प्रेम जाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और बाद में शादी से इनकार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पुलिस में शिकायत दी, शादी का झांसा देकर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया**

गंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता ने बताया कि कुछ साल पहले आरोपी ने सोशल मीडिया पर दोस्ती का प्रस्ताव रखा जिसे उसने ठुकरा दिया था। इसके बावजूद आरोपी ने संपर्क बढ़ाया और उसे प्रेमजाल में फंसा लिया। वह पीड़िता के घर आने लगा और परिवार की गैरमौजूदगी में शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। विरोध करने पर उसने शादी का झांसा दिया और दुराचार किया।

पीड़िता ने बताया कि पांच साल तक आरोपी शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाता रहा। बाद में वह जॉब का बहाना बनाकर अजमेर से चला गया। जब पीड़िता ने संपर्क किया तो उसने शादी से इनकार कर दिया और फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर जेएलएन अस्पताल में मेडिकल करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेट को अश्लील मैसेज करने पर पालिका रोजगार सहायक की चप्पलों से पिटाई की

परिजनों ने भी पालिका में जमकर हंगामा किया, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ

रूपवास, (निसं)। नगर पालिका में एक मेट के द्वारा रोजगार सहायक की चप्पलों से पिटाई कर देने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर मेट के परिजनों ने भी नगर पालिका में जमकर हंगामा किया। इस घटना का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रूपवास में नगर पालिका के रोजगार सहायक की चप्पलों से पिटाई की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात रोजगार सहायक ने मेट के नंबर पर गलत मैसेज किए थे। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस रोजगार सहायक को थाने लेकर आई। नगरपालिका में काम कर रही मेट के भाई ने बताया कि कल रात करीब 10 बजे रूपवास नगर पालिका में तैनात रोजगार सहायक दिनेश चंद ने मेरी बहन को अश्लील मैसेज किए। साथ ही कुछ अश्लील वीडियो भेजे। मेरी बहन ने इसके बारे में मुझे बताया। इसके बाद में नगर पालिका पहुंचा और वहां मौजूद लोगों और अधिकारियों को रोजगार सहायक द्वारा किए गए मैसेज दिखाए, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और रोजगार सहायक दिनेश चंद को थाने ले गई।

थानाधिकारी पन्ना लाल ने बताया कि सूचना मिली थी कि नगर पालिका में कोई विवाद हो रहा है। जाकर पता किया तो किसी दिनेश चंद का विवाद होना पाया गया। जिसके बाद दिनेश चंद को थाने लाया गया। दूसरे पक्ष ने अभी तक दिनेश चंद के खिलाफ कोई शिकायत नहीं दी है। वहीं नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी योगेश कुमार पिप्पल ने बताया कि सूचना मिली है कि नगर पालिका के रोजगार सहायक ने किसी लड़की को गलत मैसेज किए हैं। जिसके बाद तुरंत प्रभाव से रोजगार सहायक दिनेश चंद को भरतपुर नगर निगम के लिए रिलीव कर दिया गया। दिनेश चंद संविदा पर काम कर रहा था।

- **पुलिस मौके पर पहुंची और रोजगार सहायक को थाने ले गई**
- **'रोजगार सहायक दिनेश चंद को भरतपुर नगर निगम के लिए रिलीव किया, संविदा पर काम कर रहा था'**

नंबर कम आने पर छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में एक दसवीं कक्षा के छात्र ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र मूल रूप से बिहार का रहने वाला है, जो कोटा में मां के साथ जवाहर नगर इलाके के तलवंडी क्षेत्र में किराये से रहकर पढ़ाई कर रहा था। मामले में जानकारी के अनुसार सीबीएसई दसवीं कक्षा का रिजल्ट घोषित होने के बाद छात्र ने यह कदम उठाया है। उसके दसवीं में 61 प्रतिशत नंबर आये थे। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि तलवंडी इलाके में एक दसवीं कक्षा के छात्र ने फांसी का फन्दा लगा लिया। जो अपनी मां के साथ रहता था पिता बाहर रहते हैं। जब मां ने उसे फंदे पर लटका देखा तो उसे अन्य लोगों की मदद से नीचे उतार कर निजी अस्पताल में ले गये जहां उपचार के दौरान छात्र की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में कार्यवाही पूरी कर मृतक छात्र के शव को परिजनों को सौंप दिया है।

- **मृतक छात्र मूल रूप से बिहार का रहने वाला है, किराये के मकान में रहता था**

बाल विवाह रुकवाया

सलूंबर, (कासं)। जिला प्रशासन सलूंबर एवं गायत्री सेवा संस्थान की संयुक्त पहल से सराडा ब्लॉक के गांव बलुआ में हो रहा एक बाल विवाह समय रहते रोका गया।

गायत्री सेवा संस्थान के जिला समन्वयक पायल कनेरिया तथा फील्ड समन्वयक रमेश चौबीसा को सूचना प्राप्त हुई कि एक नाबालिग बालक का विवाह होने जा रहा है। सूचना मिलते ही प्रशासन को सूचित किया गया। तत्परता दिखाते हुए अतिरिक्त विकास अधिकारी केदार नारायण, सहायक विकास अधिकारी हरीश, ग्राम विकास अधिकारी नरेश कुमार प्रजापत, पटवारी गोकुलचंद मीणा मौके पर पहुंचे। मौके पर विवाह की पूरी तैयारियां चल रही थीं, टेंट लग चुका था और मेहमान भी पहुंच चुके थे। जब बालक के दस्तावेजों की जाँच की गई, तो यह स्पष्ट हुआ कि उसकी आयु मात्र 19 वर्ष है जबकि कानूनी रूप से विवाह हेतु न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। प्रशासन द्वारा परिवार को समझाइश की गई जिसके पश्चात परिजनों ने विवाह को स्थगित करने पर सहमति जताई और भविष्य में बालिग होने तक विवाह न करने का लिखित रूप में आश्वासन दिया। उसी समय टेंट हटवाए गए और विवाह की अन्य तैयारियां भी रुकवा दी गई।

अनूपगढ़ में बारिश के साथ गिरे ओले

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हुई। इसके साथ चने के आकार के ओले भी गिरे।दिन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास था। उमस भरे मौसम के बीच उत्तर-पश्चिम दिशा से तेज हवाएं चलीं। आसमान काले बादलों से ढक गया। हवा की तीव्रता से कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूट गईं। करीब 30 मिनट तक मूसलाधार बारिश हुई। मौसम के इस बदलाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। नेशनल हाईवे 911 पर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा कारणों से बिजली विभाग ने बिजली आपूर्ति रोक दी। प्रशासन ने वाहन चालकों से धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की। किसानों को फसलों के नुकसान की चिंता है।

एएसआई की कार पलटी, एक हाथ टूटा

पाली, (नि.सं.)। पाली में कार पलटने से एएसआई का हाथ टूट गया और बॉडी में कई जगह चोटें आई। इलाज के लिए मंगलवार देर रात को उन्हें पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां उनके टूटे हाथ का ऑपरेशन होगा। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी भी हॉस्पिटल पहुंचे।

- **घायल एएसआई का अस्पताल में इलाज जारी, अधिकारी मिलने पहुंचे**

पाली जिले के गुड़ा एंदला थाने के खौड़ चौकी में कार्यरत पुखराज मंगलवार रात को गुड़ा एंदला से कीरवा जा रहे थे। इस दौरान कीरवा के निकट उनकी गाड़ी नाले में फंस कर पलट गई। हादसे में उन्हें चोटें आई और एक हाथ फ्रैक्चर हो गया। मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे उन्हें इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उनका उपचार किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण रतनाराम देवासी, गुड़ा एंदला कपूराराम सहित कई पुलिसकर्मी बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और घायल की सेहत की जानकारी ली।

चोरी व नकबजनी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

निवाई थाना क्षैत्र में नकबजनी व चोरी मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षैत्र में नकबजनी व चोरी की हुई वारदात के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया है। मृत्युन्जय मिश्रा, उप-अधीक्षक निवाई व निवाई थाना प्रभारी रामजीलाल द्वारा गठित टीम ने पाइप फैक्टरी में कार्यरत रामलाल से घटना के सम्बन्ध में पूछताछ व फैक्टरी में लगे सीसीटीवी फुटेज के साक्ष्य के आधार पर आरोपी रामलाल पुत्र रामबिलास मीणा निवासी रूपवास को डिटेन कर अनुसंधान किया गया तो उसने 5 तारों का बण्डल चुराकर अजय पुत्र लेखराज खटीक निवासी गंगाविहार कॉलोनी गोनेर थाना शिवदासपुरा जिला जयपुर को कबाडी के बेचना स्वीकार किया। अजय को डिटेन कर पूछताछ के दौरान वारदात में शामिल होना स्वीकार किया। इस दौरान चोरी किये गये तारों के बण्डलों को भी उनके कब्जे से जब्त किया तथा उक्त घटना में प्रयुक्त की गई एक मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी हैं।

अमराबाद सरकारी स्कूल के शिक्षक पर छात्रा को अगवा करने का आरोप

दौसा/रामगढ़ पचवारा, (निसं)। अमराबाद सरकारी स्कूल के शिक्षक धनपाल मीणा पर छात्रा को अगवा करने का आरोप लगा है। परिजनों ने झांपदा थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई है। घटना के विरोध में बुधवार को ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाकर धरना दिया। ग्रामीण आरोपी की गिरफ्तारी और छात्रा की बरामदगी की मांग कर रहे थे। धरना प्रदर्शन करीब पांच घंटे चला। सूचना पर लालसोट के एएसपी दिनेश अग्रवाल, एसडीएम बद्री नारायण मीणा, तहसीलदार मदन लाल मीणा और थाना अधिकारी रामशरण गुर्जर मौके पर पहुंचे। शिक्षा विभाग के अधिकारी भी स्कूल पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से समझाइश कर ताला खुलवाया और प्रदर्शन खत्म करवाया।

ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया।

जानकारी के अनुसार, आरोपी शिक्षक 2014 से अमराबाद स्कूल में पदस्थ है। वह शादीशुदा है। परिजनों ने बताया कि 8 मई को शाम 4 बजे छात्रा अपनी छोटी बहन के साथ स्कूटी से प्रैक्टिकल की फाइल लेने जा रही थी। निर्झरना के पास आरोपी ने स्कूटी को टक्कर मारी। फिर जमात चौराहे के पास दोबारा टक्कर मारकर दोनों बहनों को गिरा दिया। इसके बाद 22 साल की बड़ी बहन को जबरन अपनी गाड़ी में डालकर फरार हो गया। छोटी बहन किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाने में मामला दर्ज कराया गया।

प्रदर्शन में शामिल भामाशाह प्रहलाद मीणा ने कहा कि ऐसे शिक्षक को शिक्षा विभाग से बर्खास्त किया जाना चाहिए। 8 मई को एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इस दौरान भामाशाह प्रहलाद मीणा, सरपंच राकेश हल्कारा, हीरा लाल मीना, घासी लाल मीणा, उमाशंकर मीणा, शोराम पटेल, भरत मीणा, अमरचंद पटेल, सहित आदि मौजूद रहे

- **परिजनों ने झांपदा थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई, छात्रा की बरामदगी की मांग की**
- **घटना के विरोध में ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाकर धरना दिया**

एएसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया कि परिजनों के पास सबूत थे। उन्होंने मौके पर ही जांच अधिकारी को बुलाकर बयान दर्ज करवाए हैं। आश्वासन दिया गया है कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी।

टेस्ट क्रिकेट में वही सफल हुए जिनके पास कहने को कोई कहानी थी। लंबी कहानी जो गीली, सूखी, देशी, विदेशी हर पिच पर लिख के भी खत्म ना हो।

– अनुष्का शर्मा

विराट की पत्नी, कोहली के करियर की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि दी गई है। नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। अब नीरज को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का पद दिया गया है। नीरज चोपड़ा को भारत की टेरिटोरियल आर्मी रेगुलेशन, 1948 के पारा-31 के तहत शामिल किया गया है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें लेफ्टिनेंट कर्नल की रैंक दी है। इससे पहले नीरज राजपूताना राइफल्स में सूबेदार के पद पर थे।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड बनाया है, 900 गोल के साथ।

पाकिस्तान की दुनियाभर में बेइज्जती

पीएसएल में विदेशी खिलाड़ियों ने खेलने से किया मना

नई दिल्ली, 14 मई। भारत में आईपीएल 2025 का दोबारा आयोजन 17 मई से हो रहा है। वहीं इसी दिन से पाकिस्तान में भी पाकिस्तान सुपर लीग का एक बार फिर से आयोजन हो रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते दोनों ही टूर्नामेंट को कुछ समय के लिए रद्द किया गया था। पाकिस्तान ने तो पीएसएल रद्द करने के बाद इसे यूएई में कराने का फैसला लिया था। लेकिन इस मुस्लिम देश की सरकार ने पाकिस्तान को अपने मुल्क में टूर्नामेंट कराने से मना कर दिया। इसके बाद दुनियाभर में पाकिस्तान की खूब बेइज्जती हुई थी।पाकिस्तान की पीएसएल के कारण से फिर एक बार भारी बेइज्जती हुई है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण खिलाड़ी पाकिस्तान की जमीन पर लौटना नहीं चाहते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफसे प्लेयर्स से काफी मिन्नतें की जा रही हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों ने पाकिस्तान न लौटने का मन बना लिया है। पीएसएल की टीम मुल्तान सुल्तांस को छोड़कर सभी टीमें इस बात के चलते टेंशन में हैं।

एशिया कप से कटेगा पाकिस्तान का पत्ता? भारत में होगा हॉकी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 14 मई। भारत- पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है।एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से 7 सितंबर के बीच खेला जाएगा। मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे को इसमें भाग लेना है। ये अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले वर्ल्ड कप का क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने पीटीआई से कहा कि, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा, लेकिन हम सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। उन्होंने कहा कि, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि, अभी टूर्नामेंट में 3 महीने का समय है, लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है।

भारत ने की आईएसएसएफ जूनियर विश्वकप के लिए 36 निशानेबाजों की घोषणा

नई दिल्ली, 14 मई। भारत ने जर्मनी के सहुल में होने वाली आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 के लिए 36 सदस्यीय दल की घोषणा की है। आगामी 19 से 27 मई चलने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेने जा रहे 36 निशानेबाजों में से आठ ने ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की गन फॉर ग्लोरी अकादमी में प्रशिक्षण लिया है। ये आठ निशानेबाज नारायण प्रणव, मुकेश नेलावल्ली, अनुष्का थोकुर, प्राची गायकवाड़, के. तनिष्क नायडू (आरपीओ), साग्निक बनर्जी (आरपीओ), मेलविना एंजेलिन जोएल (आरपीओ) और वेदांत वाघमारे (आरपीओ) हैं। इन सभी एथलीटों ने प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षण लिया है। नारायण 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष और जूनियर मिक्स्ड टीम स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जबकि मुकेश, तनिष्क और साग्निक 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुष्का, प्राची और मेलविना 50 मीटर 3पी जूनियर महिला वर्ग में, जबकि वेदांत 50 मीटर 3पी जूनियर पुरुष स्पर्धा में प्रदर्शन दिखायेंगे।

भारत ने सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में नेपाल को 4-0 से हराया

यूपिया (अरुणाचल प्रदेश), 14 मई। भारतीय फुटबॉल टीम नेपाल पर 4-0 से बड़ी जीत दर्ज कर सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रही। गोल्डन जुबली स्टेडियम में मंगलवार की रात खेले गये मुकाबले में मेजबान भारतीय टीम टीम ने प्रत्येक हाफ में दो गोल किए। भारत के लिए रोहेन सिंह चपहामायुम ने (28वें, 76वें) मिनट में गोल किए, जबकि स्थानीय खिलाड़ी ओमंग डोडम ने (29वें) और डैनी मेइतेई ने (84वें)मिनट में एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ग्रुप बी में दो मैचों में छह अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं नेपाल दो मैचों में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम शुक्रवार को ग्रुप ए के उपविजेता मालदीव से भिड़ेगी, जबकि ग्रुप ए विजेता बंगलादेश उसी दिन नेपाल से सेमीफाइनल खेलेगी।

जैस्मीन पाओलिनी इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में

रोम, 14 मई। इटली की टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी ने रूस की डायना श्नाइडर को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। छठी वरीयता प्राप्त पाओलिनी ने मंगलवार को खेले गये वर्षा बाधित मुकाबले में रूस की श्नाइडर पर 6-7 (1-7) 6-4 6-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 2014 के बाद अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली इटली की महिला टेनिस खिलाड़ी बन गईं।

// 17 मई से फिर शुरू होगा टूर्नामेंट //

आईपीएल 2025 के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध होंगे विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली, 14 मई। आईपीएल 2025 का दुबारा आगाज 17 मई से बेंगलुरू से होने वाला है। दोबारा शुरू होने पर इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला आरसीबी और केकेआर के बीच खेला जाएगा। आईपीएल 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते विवाद के कारण 9 मई को स्थगित कर दिया गया था।वहीं टूर्नामेंट में अभी शेष मुकाबले 6 वेन्यू बेंगलुरु, जयपुर, दिल्ली , लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। फिर से शुरू होने के ऐलान के बाद फ्रेंचाइजी का ध्यान अब खिलाड़ियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अपने ट्रेनिंग कार्यक्रमों को फिर से संगठित करने और फिर से तैयार करने में है। वहीं विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर अभी भी संशय है।फिलहाल गुजरात टाइटंस के जोस बटलर, आरसीबी के जैकब बेथेल और मुंबई इंडियंस के विल जैक्स तीनों ही वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम का हिस्सा हैं। वनडे सीरीज 29 मई से शुरू हो रही है और तीनों के आईपीएल 2025 के प्लेऑफ से बाहर होने की संभावना है। उनकी टीमें टॉप 4 में रहने और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।वहीं अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान मुंबई इंडियंस के लिए उसके

आखिरी 3 मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस सीजन अब तक सिर्फ एक मैच खेलने वाले मुजीब उर रहमान मंगलवार 13 मई को काबुल से मुंबई पहुंचे। लखनऊ सुपर जायंट्स के टॉप क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके भी लौटेंगे। दोनों मंगलवार शाम नई दिल्ली पहुंचे। इस बीच, दुष्मंता चमीरा दिल्ली कैपिटल्स में फिर शामिल होने के लिए तैयार है।

आईपीएल के शेष हिस्से में खेलेंगे बोल्ट : न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष हिस्से में अपनी टीम मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने का निर्णय किया है। 36 वर्षीय बोल्ट को मुम्बई इंडियंस ने मेगा नीलामी में 12.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल के इस सत्र में 8.49 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिये हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 रन देकर चार विकेट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह पूरे टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

आईपीएल 2025 में विदेशी खिलाड़ियों को लेकर अपडेट

- ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड के आरसीबी के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। फिलहाल आरसीबी पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है।
- लियाम लिविंगस्टोन, लुंगी एनगिडी और नुवान तुषारा भी आरसीबी का हिस्सा हैं। उनकी वापसी होने चाहिए। आरसीबी का आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय है।
- ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रेविस हेड का हैदराबाद की टीम में वापसी करना तया है। हालांकि, उनकी टीम आईपीएल प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है।
- ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और जेक-फ्रेजर-मैकगर्क आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स का हिसास हैं। लेकिन उनका लौटना भी संदिग्ध है। डीसी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है।
- गुजरात टाइटंस के लिए साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा और गेराल्ड कोएट्जी के लिए उपलब्ध हैं। जीटी आईपीएल 2025 में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है।
- ऑस्ट्रेलियाई मार्कस स्टोइनिस और जोश इंग्लिश आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। उनका पीबीकेएस में शामिल होना संदिग्ध है। उसका प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय है।
- न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। उनकी वापसी की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, उनकी टीम आईपीएल प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है।

भारत में पाकिस्तान के स्लीपर सेल हैं जो ऑपरेशन सिंदूर के लिए हॉस्पिटल भी उड़ाएंगे

सवाई मानसिंह स्टेडियम को सात दिन में चौथी बार फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर, 14 मई। ज्योति नगर थाना इलाके में स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम को सात दिन में चौथी बार मेल कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके बाद अब इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जा रही है। बताया जा रहा है कि बुधवार को खेल परिषद की ऑफिशियल ईमेल आईडी पर एचएमएक्स बम ब्लास्ट सवाई मानसिंह स्टेडियम ऑपरेशन प्रभाकर दिविज नाम से मेल आई है। इसमें कहा गया कि पाकिस्तान से पंगा मत लीजिए। हमारे पास भारत में पाकिस्तान के स्लीपर सेल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के लिए आपके हॉस्पिटल भी उड़ा दिए जाएंगे।

राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि बुधवार को चौथी बार जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसमें स्टेडियम को बम से उड़ाने के साथ ही हॉस्पिटल को उड़ाने की बात भी कही गई है। ईमेल को लेकर हमने पुलिस को सूचना दी है। पुलिस साइबर एक्सपर्ट की मदद से आरोपी की तलाश में जुड़ गई है। इसके साथ ही सवाई मानसिंह स्टेडियम में चप्पे -चप्पे पर सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए हैं। जो 24 घंटे स्टेडियम की निगरानी करेंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले 13 मई, 12 मई और 8 मई को स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई ती। 13 मई को मिले मेल में बम से उड़ाने की धमकी के साथ ही रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की गई थी।

आईपीएल के बचे हुए मैचों को डांसिंग गर्ल, तेज संगीत और डीजे के बिना ही आयोजित किया जाए : गावस्कर

नई दिल्ली, 14 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के कारण आईपीएल 2025 को स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, दोनों देशों में सीजफायर होने के बाद एक बार फिर आईपीएल 17 मई से फिर से खेला जाएगा। इस दौरान पहला मुकाबला आरसीबी और केकेआर के बीच खेला जाएगा। आईपीएल का 18वां सीजन आखिरी चरण में है और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई से एक खास गुहार लगाई है। गावस्कर ने बीसीसीआई से अनुरोध किया कि आईपीएल के बचे हुए मैचों को डांसिंग गर्ल, तेज संगीत और डीजे के बिना ही आयोजित किया जाए क्योंकि कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है।पूर्व भारतीय कप्तान ने स्पोर्ट्स टुडे से कहा कि, कुछ मैच बचे हैं। हम लगभग 60 मैच खेल चुके हैं। मुझे लगता है कि 15

या 16 गेम ही बाकी हैं। मैं ईमानदारी से उम्मीद करता हूं कि जो कुछ हुआ और कुछ परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, उसके मद्देनजर रखते हुए कोई म्यूजिक नहीं होना चाहिए। ओवर के बीच में डीजे ना चिल्लाएं। उन्होंने आगे कहा कि, ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए, सिर्फ मैच होने दीजिए। दर्शकों को आने दें। बस टूर्नामेंट हो। इसमें कोई डांसिंग गर्ल्स नहीं हों, कुछ भी नहीं। सिर्फ क्रिकेट उन परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने का एक बेहतरीन तरीका होगा जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

बता दें कि, बीसीसीआई मौजूदा सत्र के बाकी मैचों को 6 वेन्यू पर आयोजित करने का फैसला किया है। संशोधित शेड्यूल के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा, जो पहले 25 मई को खेला जाना था। आठ मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद आईपीएल को रोक दिया गया था, जब पाकिस्तान ने चंडीगढ़ के पास भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की थी। इस दौरान धर्मशाला में मैच के दौरान स्टेडियम में ब्लैकआउट हो गया था।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 14 मई। आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 400 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं, जबकि दूसरे नंबर पर बांग्लादेश के मेहंदी हसन मिराज है, जिनके नाम 327 रेटिंग पॉइंट्स हैं। इतना ही नहीं, रवींद्र जडेजा टॉप 10 में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी है।टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 9 मार्च 2022 को टॉप पर पहुंचे थे, तब से वह नंबर-1 पोजिशन पर बरकरार है। उस समय वह वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पछाड़ कर टॉप रैंकिंग पर काबिज हुए थे। जडेजा ने अब तक भारत की ओर से 80 टेस्ट मैच की 118 इनिंग में 34.74 की औसत से कुल 3370 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 175 रन है।

// मोहम्मद कैफ ने की बड़ी भविष्यवाणी //

आईपीएल 2025 का खिताब आरसीबी टीम जीतेगी

नई दिल्ली, 14 मई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने इस साल विराट कोहली के आईपीएल खिताब जीतने की संभावनाओं पर अपनी राय देते हुए कहा कि आरसीबी इस साल बेहतरीन फॉर्म में है और अपनी बेहतरीन ऑलराउंडर टीम के साथ बेंगलुरु स्थिति ये फ्रेंचाइजी निश्चित रूप से अपना पहला खिताब जीतेगी।मौजूदा सीजन में आरसीबी 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और प्लेटफॉर्म में अपनी जगह पक्की करने से एक जीत दूर है। इस बीच कोहली जो ऑरेंज कैप जीतने वाले 2024 सीजन के दम पर टूर्नामेंट में शामिल हुए, वर्तमान में 505 रनों के साथ इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, जो टॉप पर मौजूद सूर्यकुमार यादव से सिर्फ 6 रन पीछे हैं।कैफ ने कहा कि, अगर हम एक टीम के तौर पर आरसीबी की बात करें तो वे बेहतरीन रहे हैं। मैं टीम शब्द पर जोर दे रहा हूं क्योंकि वे हमेशा से बल्लेबाजी

से भारी रहे हैं। वे अपने विरोधियों को आउटसोर्स करने की मानसिकता रखते थे। लेकिन इस बार रजत पाटीदार ने अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल बेहतरीन तरीके से किया है, 170-180 के स्कोर का बचाव करते हुए विरोधियों को रोका है।

उन्होंने कहा कि, विराट कोहली ने वही करना जारी रखा है जो वह सबसे अच्छा करते हैं। आईपीएल के दौरान उनका बल्ला कभी चुप नहीं रहता है लेकिन गेंदबाजों ने उन्हें ये विश्वास दिलाया है कि वे जीत सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर क्षमता वाली टीम के पास आमतौर पर सबसे अच्छा मौका होता है इसलिए मुझे विश्वास है कि वे इस साल इसे जीत सकते हैं।

दिल्ली ने फ्रेजर-मक्गर्क की जगह मुस्तफिजुर को किया शामिल

नई दिल्ली, 14 मई। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मक्गर्क के कारणों से इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के शेष मैचों के लिए वापस आने से इंकार करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने बंगलादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को छह करोड़ रूपये की अनुबंध राशि पर टीम में शामिल किया है।

आईपीएल के नियमों के अनुसार अगर किसी खिलाड़ी को बीमारी या चोट लग जाती है और यह टीम के 12वें मैच से पहले होता है तो टीम दूसरे खिलाड़ी को ले सकती है। लेकिन इस बार लीग के स्थागित होने के बाद इसे फिर से शुरु किये जाने को लेकर नियमों में बदलाव के तहत सीजन के शेष हिस्से के लिए फ्रैंचाइजी को अस्थायी रूप से दूसरे खिलाड़ी को टीम में लेने की अनुमति दी गई है।

आईपीएल ने फ्रैंचाइजी को बताया कि कुछ विदेशी खिलाड़ियों की राष्ट्रीय जिम्मेदारियों, व्यक्तिगत कारणों या किसी चोट या बीमारी की वजह से अनुपलब्धता को देखते हुए इस टूर्नामेंट के आखिर तक अस्थायी रूप से खिलाड़ी लेने की अनुमति है।

उन्होंने कहा जिस भी खिलाड़ी को अस्थायी अनुबंधित किया जायेगा। फ्रैंचाइजी उन्हें अगले सत्र के लिए रिटेन नहीं कर पायेगी। यह फैसला संभवतः इसीलिए लिया गया है ताकि फ्रैंचाइजी नीलामी प्रक्रिया को दरकिनार करने के लिए जानबूझकर रिप्लेसमेंट न लें, बल्कि जरुरत के आधार पर ही ऐसा करें।

बीसीसीआई ने संन्यास के बाद भी कोहली-रोहित को दी गुड न्यूज

नई दिल्ली, 14 मई। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद भी रोहित शर्मा और विराट कोहली को बीसीसीआई ने गुड न्यूज दी है। विराट कोहली और रोहित शर्मा को बीसीसीआई ने ए प्लस कॉन्ट्रैक्ट दिया था। जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ए प्लस कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले अन्य क्रिकेटर थे। रिटायरमेंट के बाद, कई लोग सोच रहे हैं कि क्या बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट में खिलाड़ियों को पदावनत करेगा क्योंकि वे केवल वनडे खेलेंगे। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई की ऐसी कोई योजना नहीं है और अनुभवी खिलाड़ी टेस्ट और टी20आई से रिटायर होने के बावजूद अपना ए प्लस कॉन्ट्रैक्ट बरकरार रखेंगे।

टेस्ट से संन्यास के बाद रोहित शर्मा ने की सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात

मुम्बई, 14 मई। देवेंद्र फडणवीस ने पर लिखा कि, भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे आधिकारिक निवास वर्षा में स्वागत। उसने मिलना और बातचीत करना बहुत अच्छा लगा। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने और अपने सफर के अगले अध्याय में निरंतर सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।रोहित शर्मा ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने 67 टेस्ट मैच में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 40.57 के औसत से 4301 रन बनाए। इसमें उनके 12 शतक और 18 अर्धशतक भी शामिल हैं। टेस्ट में उनका उच्चतम स्कोर 212 रन रहा जो 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान आया था। वह क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 16वें भारतीय खिलाड़ी हैं। रोहित ने 2013 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स

में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

जशन के अर्द्धशतक व हर्ष 40 रन पर 3 विकेट से शास्त्री एकेडमी विजयी

जयपुर, 14 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम कालवाड़ रोड़ पर खेले गये पूल-एफ के मैंच में जशन रमाना 53 रन व 1 विकेट, मोहित भगतानी 39 रन व 1 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा हर्ष सैनी 40 रन पर 3 विकेट की की शानादार गेन्दबाजी की बदोलत नीरजा मोदी एकेडमी को 4 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

पहले बल्लेबाजी करते हुये शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने जशन रमाना 53 रन (39 गेन्द, 5 चौके, 4 छक्के), मोहित भगतानी 39 रन, ए. दयाल 26 रन, की बदोलत निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट

खोकर 151 रन बनाये नीरजा मोदी की ओर से गेन्दबाजी में मोहम्मद खुबैब 25 रन पर 2 विकेट, चिरांग शर्मा 18 रन पर 2 विकेट, मोन्टी जयसवाल 15 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। 152 रन के विजयलक्ष्य को लेकर उतरे निरजा मोदी एकेडमी के त्रिलोक सैनी 37 रन, सचिन देव सिंघल 35 रन, विवेक सैनी 15 रन, मोहम्मद खुबैब 17 रन, तरूण शर्मा 12 रन ने अपनी टीम को जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया लेकिन हर्ष सैनी 40 रन पर 3 विकेट, जशन रमाना 21 रन पर 1 विकेट, शुभम पाठक 16 रन पर 1 विकेट, मोहित भगतानी 19 रन पर 1 विकेट तथा मन्ताज सिंह 30 रन पर 1 विकेट लेकर नीरजा मोदी की पारी को निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 147 रन तक रोकर अपनी टीम को 4 विकेट से जीत दिलाने में सफल रहे। मैन ऑफ दा मैच जशन रमाना 53 रन व 21 रन पर 1 विकेट शास्त्री क्रिकेट एकेडमी रहे।

मैत्री क्रिकेट क्लब ने पोस्टल क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 14 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में मैत्री क्रिकेट क्लब ने पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट (पी टी) को 4 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर मैच में पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी हुए अजीम अख्तर के 38 रन, रवि शर्मा के 26 व अमित शर्मा के 20 रनों से 24.4 ओवर में 126 रन बनाए। मैत्री क्रिकेट क्लब के लिए रमेश शर्मा ने 22 पर 3, विनीत शर्मा ने 19 पर 2, विकास शर्मा ने 17 पर 2, विशाल सिंघानिया व सुशील सिंघानिया ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में मैत्री क्रिकेट क्लब ने मयंक परमार के 43 रन, दीन दयाल सैनी के 26 रन, विशाल सिंघानिया के 16 रन, सुशील सिंघानिया के 12 रन से 22.5ओवर में 6 विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया। पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट के लिए रवि शर्मा ने 20 पर 2, सौरभ चौहान, भैरा राम व अमित शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

साई जयपुर के कबड्डी खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, 14 मई। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), जयपुर के दो होनहार कबड्डी खिलाड़ी जतिन और निखिल ने बिहार के राजगीर में आयोजित 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में हरियाणा की टीम की ओर से खेलते हुए स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और संस्थान का नाम रोशन किया है। दोनों खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे हरियाणा टीम को विजयी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। इस उपलब्धि पर साई जयपुर में हर्ष और गर्व का माहौल है।

खिलाड़ियों के साई सेंटर लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर सहायक निदेशक प्रज्ञा सैनी ने बताया कि जतिन और निखिल की यह उपलब्धि कोच राहुल कुमार और साई जयपुर के अन्य स्टाफ के समर्पण और मार्गदर्शन का परिणाम है। सैनी ने आगे कहा कि हमारे कोच और सहयोगी स्टाफ ने खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार किया, जिसके चलते ये खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर सके। उन्होंने जताया कि भविष्य में भी साई जयपुर के खिलाड़ी इसी तरह देश और विदेश

में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम ऊँचा करते रहेंगे। राज्य और केंद्र स्तर पर इस सफलता को लेकर खुशी की लहर है। स्थानीय खेल प्रेमियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों ने भी दोनों युवा खिलाड़ियों को इस शानदार उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। साई जयपुर का यह स्वर्णिम पल आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। इस दौरान वेटलिफ्टिंग कोच कुलदीप सिंह शेखावत, साई के प्रशासनिक स्टॉफ मूल सिंह पंवार सहित युवा खिलाड़ियों ने जतिन और निखिल को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

'सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य शीघ्र पूरा करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली

जयपुर, 14 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, हमारी सरकार आमजन के समग्र कल्याण के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनकल्याण से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च वरीयता देते हुए, इनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में ऊर्जा विभाग, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग प्रत्येक विकास कार्य के लिए समय सीमा निर्धारित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बना कर कार्यों को शीघ्र पूरा करें, जिससे आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

- **समीक्षा बैठक में ऊर्जा, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बना कर कार्यों को शीघ्र पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुपर स्पैशिएलिटी चिकित्सा को नये आयाम देने के लिए, आरयूएचएस का उन्नयन कर एम्स दिल्ली की तर्ज पर राजस्थान इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) की स्थापना की जाएगी। इस केन्द्र पर आयुष विंग, वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं देने के लिए एकीकृत केन्द्र, थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाएं विकसित होंगी।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न 132 केवी तथा 33 केवी जीएसएस निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मर के आस-पास के क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाने के साथ-साथ, तारबंदी की जाए एवं इसकी ऊंचाई बढ़ाई जाए। इसी के साथ, मुख्यमंत्री ने सांगानेर के जैन मंदिर, सांगा बाबा मंदिर तथा हनुमानजी मंदिर के आस-पास सौन्दर्यीकरण का कार्य करवाने को कहा। उन्होंने दुर्गापुरा उद्यानिकी महाविद्यालय में बालिका छात्रावास एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा प्रतापनगर में खेल स्टेडियम के निर्माण को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

जस्टिस गवई ने सीजेआई के पद की शपध ली

नयी दिल्ली, 14 मई। न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को यहां उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वे इस वर्ष 23 नवंबर तक इस पद पर रहेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलायी। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया है, जो कल मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो गये। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे पी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश और कुछ पूर्व न्यायाधीश समेत, कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

- **शपथ ग्रहण कार्यक्रम में गवई के परिजन भी थे। गवई ने शपथ लेने के बाद अपनी माँ के पैर छुए।**

इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई की पत्नी, मां तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। शपथ ग्रहण करने के बाद, सबसे पहले उन्होंने अपनी मां के पैर छुए।

'बलूचिस्तान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन ताकतों के लिए अवसर पैदा करता है जो, आपदा अवसर ढूंढ़ती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत इस स्थिति का गहराई से अध्ययन करेगा और फिर कोई निर्णय या कार्रवाई करेगा।

'कर्नल सोफिया पर टिप्पणी करने वाले को मंत्रिमंडल में रहने का अधिकार नहीं'

सचिन पायलट ने, ट्रंप के आतंकवाद पर एक भी शब्द नहीं कहने पर आपत्ति जताई

जयपुर, 14 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने आज बुधवार को अपने निवास पर पत्रकारों से वार्ता की। मीडिया से रूबरू होते हुए, सचिन पायलट ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कश्मीर पर दिए बयानों और कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्यप्रदेश के मंत्री के बयानों को लेकर केन्द्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। पायलट कहा कि हमारे दोनों बहादुर योद्धा कर्नल कुरैशी, और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कुछ दिन पहले देश को सेना के ऑपरेशन के बारे में जिस कुशलता से जानकारी दी, उसके लिए हम सबको भारतीय होने पर उन पर फ़ख्र है। पायलट ने कहा, जिस तरह मध्यप्रदेश के मंत्री ने टिप्पणी की , उसके बाद अब उनको मंत्रिमंडल में रहने का अधिकार नहीं है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को माफी मांगनी चाहिए। हमारी वीर कर्नल कुरैशी जी, जिनकी तीसरी पीढ़ी फौज में काम कर रही है, उनके प्रति जो अनादर दिखाया है, वह बिल्कुल अस्वीकार्य है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने निवास पर पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्यप्रदेश के मंत्री के बयानों को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है।

पायलट ने आगे कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कल सऊदी अरब में फिर से सीज़फायर का जिक्र किया। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वाला बयान बार- बार क्यों दे रहे हैं। इसको लेकर उसका सीधे तौर पर सरकार ने खंडन नहीं किया। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच शांति बढ़ाने को लेकर बात कही, उन्होंने आतंकवाद को लेकर एक शब्द नहीं कहा, पाकिस्तान आतंकवाद को पाल रहा है, उस पर उन्होंने एक शब्द नहीं कहा। ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक तराजू में तोल रहे हैं जो ठीक नहीं, भारत की तुलना चीन से होती थी, भारत की तुलना कभी भी पाकिस्तान से हो ही नहीं सकती। आश्चर्य की बात है कि ट्रंप कश्मीर मसले को बीच में ले आए, सरकार को इन तमाम सवालों का जवाब देना चाहिए। पीओके को हमें वापस लेना है । यह प्रस्ताव संसद में दोबारा पारित किया जाए। सन् 1994 में पारित इस प्रस्ताव को अब दोबारा से पारित करने का मौका है। पीओके भारत का अभिन्न अंग है। सरकार से मांग है कि चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए। आतंकवाद को खत्म करने के लिए पूरा देश एकजुट है।

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने आतंकवाद और सीज़फायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की माँग की।**

पायलट ने कहा, भारत की तमाम जनता और राजनीतिक दल मानते हैं कि हमने बहुत आतंकी हमले झेल लिए। किन शर्तों पर सीज़फायर हुआ है। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का जो लोन मिला , क्या उस पैसे का दुरुपयोग करके फिर से आतंक को बढ़ावा देने का काम पाक नहीं करेगा।। पाकिस्तान पर कितना विश्वास किया जा सकता है । सीज़फायर के तुरंत बाद गोलाबारी हुई, कैसे विश्वास करें। आतंक को खत्म करने के मुद्दे पर भारत एक है, केन्द्र सरकार को जनता और विपक्ष का पूरा समर्थन मिला। पहलगाम के आतंकियों का क्या स्टेटस है । सेना के शौर्य पर हम सबको गर्व है, सभी एक मत हैं। अचानक सीज़फायर होना अप्रत्याशित है। सीज़फायर अमेरिका द्वारा करना भी अप्रत्याशित है। उन्होंने आगे कहा कि सेना द्वारा बहुत ही सावधानी और संयम के साथ एयरस्ट्राइक की गई। इसमें किसी आम नागरिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। भारत की सेना ने फिर अपना शौर्य दिखाया। पूरा देश सेना के साथ खड़ा है।

नाबालिग को बंधक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्त उसका मुंह बंद कर विधानसभा के पास एक कैफे में भी लेकर जाता और दो अन्य लड़कों से भी दुष्कर्म कराता। अभियुक्त ने उसे धमकी दी कि उसका मामा पार्षद और एमएलए है। इसलिए वह किसी से नहीं डरता। रिपोर्ट में कहा गया कि 13 अगस्त को मोनू एक अन्य लड़की को उसके कमरे में लाया था। वहीं, सुबह पुलिस आकर उस लड़की को अपने साथ ले गई। वहीं जांच के दौरान पीड़िता ने पुलिस को बताया कि होटल संचालक श्रवण सिंह ने भी उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया था। इस पर पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

एकल पट्टा प्रकरण में पूर्व आईएएस संधू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी ओर से कहा गया कि टोडी रामजानीपुरा की 3.43 हेक्टर जमीन के एकल पट्टे के लिए पूर्व में जेडीए में आवेदन किया गया था। जमीन तय सीमा से अधिक होने के कारण जेडीए ने साल 2005 में प्रकरण राज्य सरकार को भेजा था, जिस पर राज्य सरकार ने पट्टा देने से इनकार कर दिया। वहीं, साल 2009 में आवेदन होने पर जेडीए ने मामले को पुनः राज्य सरकार के समक्ष भेजा। राज्य सरकार ने साल 2011 में पट्टा जारी कर दिया। वहीं, तकनीकी कारणों के चलते साल 2013 में एकल पट्टा निरस्त कर दिया गया। संधू की ओर से कहा गया कि पट्टा निरस्त होने के बाद रामशरण सिंह ने साल 2014 में एसीबी में शिकायत की थी। ऐसे में कोई अपराध नहीं बनता है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने भी एसीबी कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर मुकदमा वापस लेने की बात कही थी। इसलिए प्रकरण की कार्रवाई को रद्द किया जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रकरण की सुनवाई कर रहे हैं।

उदयपुर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जाता है जो करीब ढाई हजार करोड़ से ज्यादा लागत का है। सुराणा ने कहा कि प्रोससर्स समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय किया है कि तुर्किये से आने वाले मार्बल को हमने रोक दिया है। इससे तुर्किये के आर्थिक चक्र पर भी इसका असर दिखेगा।

उदयपुर मार्बल प्रोसेसर समिति के महासचिव हितेश पटेल ने बताया कि उदयपुर के पचास से ज्यादा बड़े व्यवसायी तुर्किये से बड़ी तादाद में मार्बल आयात कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने इसका बहिष्कार करने का फैसला लिया हैं।

सभी एकजुट हैं और इस बात पर अडिग हैं कि जब तक तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करना बंद नहीं होगा, तब तक तुर्की का बहिष्कार जारी रहेगा। व्यापारियों ने कहा कि तुर्किये से हम 70 प्रतिशत मार्बल मंगवाते है और अब हमने निर्णय कर स्वेच्छा से वहां से आने वाले मार्बल को मंगवाने से मना कर दिया है।

सालाना अच्छा व्यापार हो रहा था लेकिन अब इसका बड़ा असर पड़ेगा और तुर्किये के व्यापार को भी बड़ा धक्का लगेगा।

सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी: मंत्री पर एफआईआर के आदेश

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के महाधिवक्ता को मंत्री विजय शाह पर एफआईआर करने के आदेश दिए

जबलपुर, 14 मई। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में आपत्तिजनक बयान देने से जुड़े प्रकरण में आज राज्य के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए और कहा कि यह कार्य आज यानी बुधवार शाम तक हो जाना चाहिए।

उच्च न्यायालय की युगल पीठ के न्यायाधीश अतुल श्रीधरन और न्यायाधीश अनुराधा शुक्ला ने इस मामले में मीडिया में आयी खबरों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह को ये आदेश दिए। अदालत ने महाधिवक्ता से कहा कि इस आदेश के संबंध में तत्काल राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को अवगत कराया जाए और इसका क्रियान्वयन नहीं होने पर इस मामले में अवमानना संबंधी कार्यवाही भी की जा सकती है।

- **कोर्ट ने बुधवार को दिन में आदेश देते हुए बुधवार शाम तक एफआईआर करने और हाईकोर्ट को रिपोर्ट करने के आदेश दिए।**
- **मंत्री विजय शाह के खिलाफ धारा 152, 196 (1) (बी) और 197 (1) (सी) के तहत एफआईआर करने के आदेश दिए। इससे मंत्री की मुश्किलें बढ़ गई है उनकी कुर्सी भी जा सकती है।**

अदालत ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए हैं। ये धाराएं देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा पहुंचाने जैसे कृत्यों से संबंधित हैं। अदालत के इस महत्वपूर्ण आदेश के बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। माना जा रहा है कि अब राज्य पुलिस अदालत के आदेश के अनुरूप वैधानिक कदम उठाएगी। इसके साथ ही उनका मंत्री पद भी जाना तय माना जा रहा है। वे अक्सर विवादास्पद बयान देते रहते हैं।

मंगलवार से उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो इंदौर जिले के महू विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम का बताया गया है। उसमें वे सार्वजनिक मंच से संबोधन दे रहे हैं और इस अवसर पर एक महिला नेता समेत अनेक लोग मौजूद रहे। मंत्री शाह कहते हुए सुने जा रहे हैं, ...जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे...हमने उन्हीं की बहन भेजकर.....। मंत्री शाह इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हुए। इस मामले को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने संज्ञान में लेने के साथ ही प्रदेश भाजपा इकाई ने मंत्री को फटकारा। इसके बाद मंत्री ने माफी भी मांगी, लेकिन मीडिया के सामने माफी मांगने संबंधी बयान के बाद उनका हंसते हुए वीडियो भी वायरल हो गया। यह वीडियो भी मंत्री की किरकिरी का कारण बन गया।

अजय कुमार यूपीएससी के नए अध्यक्ष नियुक्त

नयी दिल्ली, 14 मई। पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत, डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

- **अजय कुमार वर्ष 2019 से 2022 तक रक्षा सचिव के पद पर काम कर चुके हैं।**

आदेश के अनुसार, यूपीएससी के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अजय कुमार का कार्यकाल उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से शुरू होगा। उनकी नियुक्ति की अवधि संविधान के अनुच्छेद 316(2) के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होगी और सेवा की शर्तें समय-समय पर संशोधित यूपीएससी (सदस्य) विनियम, 1969 द्वारा शासित होंगी।

बुधवार को कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरएसएस के अंदर, संकटकाल में मोदी के नेतृत्व पर गंभीर संदेह है तथा यह सोच तेजी से बढ़ती जा रही है कि वे ट्रंप का सामना नहीं कर सकते तथा संकट के समय देश को नहीं संभाल सकते। देखना यह है कि यह स्थिति क्या रूप लेती है, लेकिन जवाब न मिलने की स्थिति में, आक्रोश बढ़ रहा है।

प्रधामंत्री ने 25 मई को एनडीए मुख्यमंत्रियों की मीटिंग बुलाई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक बुलाना और उसमें उपस्थिति होना उन्होंने उचित नहीं समझा है। एक आरएसएस समर्थक ने कहा है, "जे.पी. नड्डा हमेशा तो भाजपा अध्यक्ष पद पर रह नहीं सकते, इसलिए जब नये भाजपा अध्यक्ष की घोषणा होगी, उस समय प्रधानमंत्री मोदी के संबंध में भी कानाफूसी शुरु हो सकती है।

बिना विभागीय जाँच के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश नरेश पाल देवानिया की याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि विभागीय जांच के बिना कर्मचारी को सेवा से हटाना अनुचित और उसके मौलिक अधिकारों का हनन है। याचिका में अधिवक्ता मोविल जीनवाल ने बताया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ 23 मार्च 2021 को छेड़छाड़ के मामले में एक एफआईआर महिला पुलिस थाना, भिवाड़ी में दर्ज हुई थी। एसपी ने बिना किसी जांच के, उसी दिन याचिकाकर्ता को सेवा से बर्खास्त कर दिया। याचिकाकर्ता ने इसे अपीलेट अथॉरिटी में चुनौती दी, लेकिन अपीलेट अथॉरिटी ने बिना तथ्य देखे 9 सितंबर, 2021 को उसकी अपील खारिज कर दी। इस कार्रवाई को याचिका में चुनौती देते हुए कहा गया कि विभाग की कार्रवाई संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। इसके अलावा एक सरकारी कर्मचारी को बिना सही जांच के दंडित भी नहीं किया जा सकता। मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर पीड़िता के साथ समझौता करने व उसके ही आवेदन पर निचली अदालत से रद्द हो चुकी है, लेकिन अपीलेट अथॉरिटी ने इस तथ्य की अनदेखी करते हुए अपील खारिज कर दी। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को समस्त परिलाभ सहित सेवा में लेने को कहा है।

अनिता आनन्द के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलगाववादी ऐजेण्डा को बढ़ावा देने के लिए न किया जाए। यह एक नाज़ुक और संवेदनशील रास्ता होगा, लेकिन आनंद अपनी व्यक्तिगत पृष्ठभूमि और राजनीतिक व्यवहारिकता के कारण इसे अपने पूर्ववर्तियों से बेहतर संभाल सकती हैं।

यदि कुशलता और परिपक्वता के साथ हैण्डल किया संभाला जाए, तो उनके कार्यकाल में रुकी हुई व्यापार वार्ताओं को पुनर्जीवित किया जा सकता है, प्रवासन चैनलों को फिर से खोला जा सकता है, तथा शिक्षा, टैक्नॉलजी और रक्षा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को नए सिरे से शुरू किया जा सकता है। अनिता आनंद, प्रवासी समुदाय से जुड़े उन मुद्दों को भी गैर-राजनीतिक बनाने में मददगार हो सकती हैं, जो लंबे समय से ऑटवा और नई दिल्ली के बीच, खुली बातचीत और वार्ता में विश्वास की कमी के कारण जटिल होते जा रहे हैं।

तथापि, व्यापक संदर्भ को समझना आवश्यक है। कैनडा-भारत संबंधों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, विशेष रूप से 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर लगे आरोपों के बाद पैदा हुए राजनयिक तनावों के कारण। आनंद ने एक ओर कैनडा की संप्रभुता और कानून के शासन की रक्षा के महत्व पर जोर दिया है, तो दूसरी ओर उन्होंने अपनी भारतीय जड़ों को भी स्वीकार किया है, जिससे उनकी विदेश नीति में संतुलन और समझदारी की झलक मिलती है।

फिर भी, आशाओं को यथार्थवाद के साथ जोड़कर देखना जरूरी है। प्रवासी उग्रवाद, भू-राजनीतिक मतभेद और पारस्परिक अविश्वास जैसी मूल समस्याएं एक रात में खत्म नहीं होंगी। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि आनंद को कैनडा की सरकार में कितना स्वतंत्र काम करने का मौका मिलता है और नई दिल्ली कितनी गंभीरता से फिर से जुड़ने को तैयार है।

यह बात स्पष्ट है कि आनंद एक नया राजनयिक चेहरा हैं, जो ट्रूडो-निज्जर विवाद से अप्रभावित हैं। उनकी नियुक्ति कैनडा और भारत के लिए, वर्षों में पहला और संभवतः सबसे अच्छा अवसर है कि दोनों देश तनावों से आगे बढ़ें और एक व्यावहारिक, परस्पर लाभकारी साझेदारी की ओर अग्रसर हों।

इस अवसर का उपयोग किया जाएगा या इसे गंवा दिया जाएगा – इससे तय होगा कि विश्व के सबसे जटिल द्विपक्षीय संबंधों में से एक का भविष्य क्या होगा।

पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ नियमित फ्लैग मीटिंग और अन्य संचार चैनलों के माध्यम से बीएसएफ के लगातार प्रयासों से शॉ की वापसी संभव हो पायी है।

चीन के अधिकारियों ने भारत व पाकिस्तान के राजदूतों से मीटिंग की

बीजिंग/इस्लामाबाद/नयी दिल्ली, 14 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद, चीन के शीर्ष अधिकारियों ने बीजिंग में भारतीय और पाकिस्तानी राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात की। चीन के विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के महानिदेशक लियू जिनसोंग ने सोमवार को चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने चीन-भारत संबंधों और साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मंगलवार को चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेदोंग ने पाकिस्तान के राजदूत खलील हाशमी से उनके अनुरोध पर मुलाकात की। वेदोंग और पाक राजदूत की मुलाकात में दोनों ने चीन-पाक संबंधों और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय हालात पर चर्चा की। वेदोंग ने भारत-पाक के बीच पूर्ण और स्थायी संघर्ष-विराम का समर्थन करते हुए मतभेद सुलझाने की अपील की और क्षेत्रीय शांति में चीन की रचनात्मक भूमिका जारी रखने की बात कही।

- **चीन के टॉप अफसरों ने दोनों देशों के राजदूतों से अलग-अलग बात की।**

अरब लीग ने आतंकवाद पर भारत का समर्थन किया

अरब लीग के राजदूत युसूफ मोहम्मद जमील ने एक बयान जारी कर भारत के प्रति समर्थन जताया

नयी दिल्ली, 14 मई। अरब लीग के नयी दिल्ली स्थित राजनयिक मिशन के प्रमुख यूसुफ मोहम्मद जमील ने बुधवार को कहा कि आतंकवाद और उग्रवाद का खात्मा करने के लिए भारत और अरब क्षेत्र के देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने आतंकवाद को विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बताया है।

राजदूत जमील ने एक बयान में कहा, देश के बाहर से संचालित आतंकवाद और ऐसे अन्य खतरों से निपटने के मामले में हमारी सोच एक जैसी है। हम खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त पहल के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के उद्देश्यों को हासिल कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य विश्व में शांति और सुरक्षा के वातावरण को मजबूत बनाना है।

अरब लीग के राजदूत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि यह कृत्य न केवल बर्बर, बल्कि अमानवीय भी है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकने का स्वागत किया और कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए दोनों के बीच सैनिक कार्रवाई का रुकना बहुत ही जरूरी था। जमील ने कहा, हम इस पक्ष के हैं कि दोनों देशों के बीच विवाद के समाधान के लिए बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों को अपना जाय ।

- **राजदूत जमील ने एक बयान में कहा कि देश के बाहर से संचालित आतंकवाद के खतरों से निपटने के लिए हमारी सोच एक जैसी है।**

ऐसा दृष्टिकोण न केवल राजनीतिक स्थिरता, बल्कि इस क्षेत्र के देशों की आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

जमील ने उम्मीद जताई कि अरब-भारत मंत्रीस्तरीय संचालन फोरम की एक बैठक निकट भविष्य में आयोजित की जाएगी और इससे दोनों पक्षों के बीच सहयोग को व्यापक बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कह कि अरब लीग के देशों के साथ भारत के संबंधों को अपेक्षित गति देने के लिए इस तरह की उच्च स्तरीय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा, हमें इन बैठकों में राजनीतिक मामलों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आर्थिक, ऊर्जा और सुरक्षा संबंधी मामलों को भी इनमें शामिल करना चाहिए।

चीन-बाँग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्दरुनी भूगोल के उल्लेख की तार्किकता पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा, "दिलचस्प बात यह है कि यूनुस चीन से निवेश की सार्वजनिक रुप से अपील इस आधार पर कर रहे हैं कि (भारत के) सात उत्तर-पूर्वी राज्य लैंडलॉक्ड हैं। लेकिन यह कहने का आखिर औचित्य क्या है कि ये सात भारतीय राज्य लैंडलॉक्ड हैं?"

मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए

बीजापुर, 14 मई। छत्तीसगढ़ के करेगुट्टा पहाड़ी पर सुरक्षा बलों ने एक ऑपरेशन में 31 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया और उनके 150 से ज्यादा बंकरों को भी नष्ट कर दिया। मारे गए माओवादियों पर 1.72 करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार जब्त किये गये।

इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के 18 जवान भी घायल हुए हैं। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जीपी सिंह और छत्तीसगढ राज्य के पुलिस महानिदेशक अरूणदेव गौतम ने बुधवार को बताया कि बीजापुर के कर्रेगुट्टा की पहाड़ी में 21 दिनों तक चलाये गये नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान कुल 21 मुठभेड़ों में 31 माओवादी मारे गए। दोनों अधिकारियों ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों को यह बहुत बड़ी सफलता मिली है। मारे गये 28 नक्सलियों की शिनाख्त हो चुकी है, जिनपर एक करोड़ बहत्तर लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा पुलिस ने विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया।

- **इन नक्सलियों पर 1.72 करोड़ रु. का ईनाम था।**
- **सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ की करेगुट्टा पहाड़ी में नक्सल विरोधी ऑपरेशन के तहत यह कार्यवाही की।**

सिंह और गौतम ने आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908